@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika
दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 3 जून 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 209 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस ने ममता बनर्जी के धरने को अधिकार बताया तो भाजपा ने 'जनता के गुस्से का आईना'

• पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है : भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी के धरने का समर्थन किया। यह धरना उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों और रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले फेरीवालों को हटाए जाने के विरोध में था। कांग्रेस ने इसे ममता बनर्जी का 'संवैधानिक अधिकार' बताया। वहीं, भाजपा ने कहा कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन का पश्चिम बंगाल के लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो टीएमसी से नाराज हो चुके हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से ??बातचीत करते हुए कहा कि अगर लोकतंत्र में कहीं भी अन्याय होता है तो संविधान उसके खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार देता है और ममता बनर्जी भी यही कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सबने देखा है कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला किया गया। वह टीएमसी में दूसरे नंबर के नेता हैं और सांसद हैं। अगर वह भाजपा सरकार के राज में सुरक्षित नहीं हैं तो मैं कहूंगा कि यह भाजपा द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत उनके खिलाफ किया गया हमला है।

प्रमोद तिवारी ने तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि वह पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन इस हमले में उनके सिर पर चोट लगी। तृणमूल कांग्रेस के दर्जनों दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई और उन्हें

आग के हवाले कर दिया गया।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि आजाद भारत में अब तक ऐसी घटनाएं कभी नहीं हुई थीं। यह भारतीय जनता पार्टी का तानाशाही वाला चेहरा है।

उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों से अपील की कि वे एक साथ आएं और भाजपा की कथित गुंडागर्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करें।दूसरी ओर, भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है।

उन्होंने कहा कि वह हताश, परेशान और निराश हैं। तृणमूल के सदस्य, चाहे वह सांसद कल्याण बनर्जी हों या सांसद अभिषेक बनर्जी, सब के सब राजनीतिक नौटंकी में लगे हुए हैं। ममता बनर्जी आज जिस विरोध प्रदर्शन की योजना बना रही हैं, उसका कोई असर नहीं होगा। उन्हें अपनी पार्टी पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कुशासन के लिए उनसे जवाब मांग रही है।

भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि एक महीने के अंदर ही हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। ममता बनर्जी ने कभी नहीं सोचा था कि लोगों के लिए उन्होंने जो मुश्किलें खड़ी की थीं, वे इतनी जल्दी जनता के गुस्से के रूप में उनकी पार्टी के सामने वापस आ जाएंगी। आज, वह एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही हैं। अगर उनकी पार्टी ने इतने सालों तक लोगों के लिए काम किया होता तो शायद आज ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों में हार के बाद टीएमसी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। अब उनके पास ज्यादा कार्यकर्ता भी नहीं बचे हैं।

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में आज शपथ लेंगे डी.के. शिवकुमार

राजधानी में तैयारियां पूरी

एजेंसी
बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बुधवार (3 जून) को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित समारोह को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है।

राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। हालांकि मंत्रिमंडल के अंतिम स्वरूप को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। समारोह में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी रहने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री

और इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी अतिथियों के लिए निमंत्रण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 800 विशिष्ट अतिथियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है, जबकि 2,200 से अधिक प्रवेश पास जारी किए गए हैं।

राजस्थान में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन शुरू

•भाजपा और कांग्रेस के अभी तक उम्मीदवार घोषित नहीं

एजेंसी
जयपुर । राजस्थान में राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक राज्य से खाली हो रही तीन सीटों

•राजस्थान में, 200 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा की मौजूदा स्थिति काफी मजबूत है, जिससे वह तीन में से दो सीटें आसानी से हासिल करने की स्थिति में है।

के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन कोई भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। उम्मीदवार 8 जून तक अपने नामांकन जमा कर सकते हैं, जबकि कागजों की जांच 9 जून को की जाएगी। वहीं, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 11 जून है और मतदान 18 जून को होगा।

विधानसभा के प्रधान सचिव भरत भूषण शर्मा को इन चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। नामांकन पत्र राजस्थान विधानसभा के कमरा नंबर 106 में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच उम्मीदवार या उनके किसी एक प्रस्तावक द्वारा दाखिल किए जा सकते हैं। इस चुनाव का राजनीतिक महत्व बढ़ गया है, क्योंकि राजस्थान से राज्यसभा के तीन सदस्यों, राजेंद्र गहलोत, रवनीत सिंह बिट्टू और नीरज डांगी, का कार्यकाल 20 जून को समाप्त होने वाला है। इनमें से दो सांसद भाजपा के हैं, जबकि डांगी कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नामांकन प्रक्रिया जारी होने के साथ ही, भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए विचार-विमर्श तेज कर दिया है। सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने उन राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ चर्चा की, जहां राज्यसभा चुनाव होने हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संभावित उम्मीदवारों पर विस्तार से विचार-विमर्श चल रहा है, और पार्टी की कोर कमेटी भी इस परामर्श प्रक्रिया में शामिल है। दस राज्यों में राज्यसभा की 24 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी सीटें खाली हैं। ऐसे में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पार्टी नेतृत्व के लिए राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हो गई है।

चंडीगढ़ में बादशाह के क्लब पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नियमों के उल्लंघन पर किया गया सील

एजेंसी
चंडीगढ़ । चंडीगढ़ में प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त कदम उठाते हुए मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह से जुड़े एक चर्चित क्लब को सील कर दिया है। दरअसल, चंडीगढ़ प्रशासन की बिल्डिंग ब्रांच और एस्टेट ऑफिस की टीम ने सेक्टर-26 स्थित क्लब पर कार्रवाई की है। अधिकारियों ने क्लब के मुख्य द्वार पर सील लगाकर उसे बंद कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि क्लब में नियमों का पालन नहीं किया गया था और निर्धारित दिशा-निर्देशों के विरूद्ध बदलाव किए गए थे। इसी कारण यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, प्रशासन को काफी समय से क्लब में निर्माण संबंधी अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान पाया गया कि बिल्डिंग

में कुछ ऐसे बदलाव किए गए थे जो नक्शे और निर्धारित बिल्डिंग बायलॉज के अनुरूप नहीं थे। अधिकारियों ने कई बार नोटिस जारी कर नियमों के अनुसार कमियां दूर करने और बिल्डिंग को स्वीकृत मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए थे।

प्रशासन का दावा है कि बार-बार चेतावनी देने और पर्याप्त समय देने के बावजूद क्लब में पॉलिसी के अनुसार जरूरी बदलाव नहीं किए गए। ऐसे में नियमों के तहत कार्रवाई करना जरूरी हो गया। इसी के तहत टीम मौके पर पहुंची और क्लब के मुख्य दरवाजों को सील कर दिया गया। इससे पहले बादशाह अपने एक गाने 'टटीरी' को लेकर विवादों में थे। इस गाने के अश्लील बोलों के चलते उनके खिलाफ एफआईआर और हरियाणा महिला आयोग की ओर से समन तक जारी हुआ था, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी। साथ ही गाने को सभी प्लेटफॉर्म से हटाना पड़ा।

एलयूसीसी चिटफंड घोटाला: सीबीआई ने दो मुख्य आरोपितों को मुंबई से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड के चर्चित एलयूसीसी चिटफंड घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए इसके दो कथित मास्टरमाइंड किशन जैन और पंकज जैन उर्फ पंकज चौधरी को मुंबई से गिरफ्तार किया। दोनों पर आरोप है कि इन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर एलयूसीसी की अनियमित जमा योजनाओं के माध्यम से निवेशकों से जुटाई गई राशि के संग्रह, संचालन, हेराफेरी और गबन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि दोनों आरोपितों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी वित्तीय अभिलेखों के विस्तृत विश्लेषण, बैंक लेनदेन की जांच, मौखिक साक्ष्यों के संकलन और देश के विभिन्न राज्यों में किए गए व्यापक अन्वेषण के बाद हुई।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की मुलाकात

भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले से मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर भी

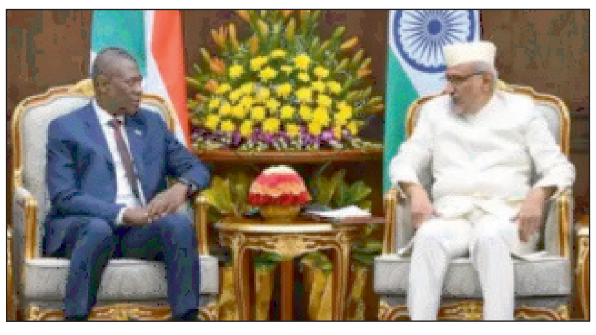

जोर दिया गया। इस दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (सैकू) के बीच प्रस्तावित वरीयता व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए इसके लिए जल्द वार्ता शुरू होने और सफल निष्कर्ष तक पहुंचने की आशा व्यक्त की। दोनों पक्षों ने ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिंद महासागर रिम संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने तथा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का स्वागत किया गया। दोनों देशों ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाले आईबीएसएएमएआर नौसैनिक अभ्यास के आगामी संस्करणों के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई।उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम के लिए दक्षिण अफ्रीका द्वारा चीतों की आपूर्ति में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत जंगल में सफल प्रजनन सहित हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए इस संरक्षण पहल में दक्षिण अफ्रीका के निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उपराष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीका को भारत की प्रमुख बहुपक्षीय पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन और अंतरराष्ट्रीय 'बिग कैट अलायंस' से जुड़ने पर भी विचार करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि ये पहलें दोनों देशों के साझा विकास और सतत विकास के उद्देश्यों के अनुरूप हैं। बैठक में दोनों नेताओं ने शांति, समृद्धि, सतत विकास और वैश्विक दक्षिण के हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करने तथा भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत दौरे पर

एजेंसी
नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत की यात्रा पर आयेंगी। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और दोनों देश ऊर्जा, व्यापार, निवेश, औषधि, स्वास्थ्य, परिवहन तथा नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि डेल्सी रोड्रिगेज इससे पहले एक जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय 'बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने वाली थीं, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया गया। अब वह 3 से 7 जून तक भारत की कार्यकारी यात्रा पर आएंगी। जायसवाल ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। प्रतिनिधिमंडल में वेनेजुएला के विदेश मंत्री, अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, संचार एवं सूचना मंत्री तथा परिवहन मंत्री सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि डेल्सी रोड्रिगेज का भारत के साथ लंबे समय से संपर्क रहा है और वह विभिन्न भूमिकाओं में कई बार भारत आ चुकी हैं। वर्ष 2015 में वह वेनेजुएला की विदेश मंत्री के रूप में भारत आई थीं। इसके बाद 2019, 2023, 2024 और 2025 में उपराष्ट्रपति के रूप में भारत का दौरा कर चुकी हैं।

ट्विशा शर्मा केस : गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

•सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत में मीडिया ट्रायल को लेकर गंभीर आपत्ति जताई।

एजेंसी
भोपाल । ट्विशा शर्मा केस में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत में कई अहम घटनाक्रम सामने आए। सीबीआई ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह की रिमांड अवधि समाप्त होने पर उनके लिए आगे की पुलिस रिमांड की मांग नहीं की। इसके बाद अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत में मीडिया ट्रायल को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि वे जहां भी जा रहे हैं, मीडिया उनके पीछे पहुंच रही है। गिरिबाला ने अदालत से अनुरोध किया कि इस तरह की

कवरेज पर रोक लगाई जाए, क्योंकि इससे उनके परिवार की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। गिरिबाला ने हाल ही में हुए सीन-रीक्रिएशन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने अदालत को बताया कि उस दौरान उन्हें उनके घर से करीब तीन मकान पहले उतारा गया और मीडिया को इसकी फुटेज उपलब्ध कराई गई। उनका कहना था कि यदि जांच एजेंसी को उनके घर तक जाना था तो वाहन सीधे उनके घर के सामने भी रोका जा सकता था।

वहीं, सीबीआई की ओर से अदालत को बताया गया कि फिलहाल एजेंसी न्यायिक रिमांड की मांग कर रही है। जांच एजेंसी ने कहा कि यदि आगे जांच के दौरान आवश्यकता महसूस हुई तो पुलिस रिमांड की मांग की जा सकती है। सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में दोनों पक्षों के वकीलों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। इसी दौरान गिरिबाला सिंह ने आरोप लगाया कि उनके बेटे समर्थ सिंह के साथ जबलपुर कोर्ट परिसर में मारपीट की गई थी।

'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में स्वस्थ भारत होना बुनियादी जरूरत: जेपी नड्डा

•'तृतीयक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संस्थान के बढ़ते योगदान की सराहना की'

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को एम्स बठिंडा के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और पास होकर निकले छात्रों को उनके पेशेवर सफर की शुरुआत करने पर बधाई दी। उन्होंने तृतीयक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संस्थान के बढ़ते योगदान की सराहना की। जेपी नड्डा ने छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने पर बधाई दी और दूसरे दीक्षांत समारोह को छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय सदस्यों और पूरे एम्स बठिंडा परिवार के लिए गर्व और उत्सव का क्षण बताया। उन्होंने संस्थान की तेजी से हुई प्रगति और इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में उसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स बठिंडा आज प्रतिदिन लगभग 3,000 ओपीडी मरीजों और लगभग 600 ओपीडी मरीजों का इलाज करता है और साथ ही एम्स ब्रांड से जुड़े उच्च मानकों और विश्वसनीयता को भी बनाए रखता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एम्स बठिंडा की सामुदायिक पहुंच की पहलों की भी सराहना की, जिसमें आसपास के 59 गांवों में हर महीने दो बार 'आयुष्मान शिविर' आयोजित करना शामिल है, जहां नागरिकों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों के लिए जांच की जाती है।

उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन सेवाओं, मोबाइल मेडिकल इकाइयों, ग्रामीण जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य सेवा पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से यह संस्थान केवल अस्पताल-आधारित देखभाल से आगे

बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्वास्थ्य सेवा सुधारों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण मुख्य रूप से 'उपचारात्मक मॉडल' से विकसित होकर एक ऐसे व्यापक ढांचे में बदल गया है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, पुनर्वास, प्रशामक और बुजुर्गों की देखभाल शामिल है। उन्होंने बताया कि आज 1.82 लाख से अधिक 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संपर्क के पहले बिंदु के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सरकार के निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर जोर देने की बात पर बल देते हुए बताया कि 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को पंचायतों, आशा कार्यकर्ताओं और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से नियमित जांच (स्क्रीनिंग) करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन पहलों के तहत हुई प्रगति की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 36 करोड़ से अधिक लोगों की मुंह के कैंसर के लिए, 17 करोड़ से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर के लिए और 9 करोड़ से अधिक महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच की गई है। इसके अलावा 42 करोड़ से अधिक लोगों की मधुमेह और उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के लिए जांच की गई है, जबकि देशव्यापी तपेदिक (टीबी) जांच अभियान भी चल रहा है। राष्ट्र निर्माण में स्वास्थ्य के महत्व का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का सपना केवल एक स्वस्थ और कर्मठ आबादी के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि सरकारें बुनियादी ढांचा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर सकती है।

महाराष्ट्र और बंगाल में महिलाओं की योजना का लाखों अपात्र लोग ले रहे लाभ

राज्य सरकारें जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई सरकारी योजनाएं अब पात्रता और पारदर्शिता के सवालों के घेरे में हैं। महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना से करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक बहस छिड़ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लाखों अपात्र लोगों के लाभ लेने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए लाई गई इन योजनाओं का लाभ दोनों ही राज्यों में पुरुष भी ले रहे थे, जिसके बाद ये कदम उठाए गए हैं। दोनों राज्यों में सरकारें अब ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की नई जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी हैं, जिससे इन महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें महाराष्ट्र में प्रदेश सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 80 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं। ये कार्रवाई योजना को लेकर आ रही शिकायत के बाद की गई है। इस योजना का फायदा अपात्र भी उठा रहे थे।

जांच में सामने आया था कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपए की मासिक राशि ले रहे थे। इस धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया था। वेरिफिकेशन में एक तकनीकी पेच भी फंसा। रिपोर्ट के मुताबिक मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को सरकारी कर्मचारी मान लिया गया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं थीं।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लाभार्थियों की संख्या कम होने को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल ई-केवाईसी लंबित रहने से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। तटकरे ने बताया कि सरकार ने ई-केवाईसी के लिए शुरुआती समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में कई बार बढ़ाया गया। कुल मिलाकर लाभार्थियों को करीब 8 से 10 महीने का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन प्रक्रिया राज्य की सभी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में अपनाई जाती है, केवल लाड़की बहिन योजना तक सीमित नहीं है।

मंत्री तटकरे के मुताबिक पिछले 10 महीनों में किए गए डेटा सत्यापन में 11 से 12 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा करीब 4.75 से 5 लाख महिलाएं 65 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं, जिसके कारण वे योजना के दायरे से बाहर हो गईं। तटकरे ने बताया कि करीब 14 हजार सरकारी कर्मचारी भी लाभार्थियों की सूची में शामिल पाए गए थे, इसके अलावा कुछ ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं, जो अन्य योजनाओं का लाभ भी ले रहे थे। करीब 3.25 लाख लाभार्थियों के नाम पर पंजीकृत वाहन भी पाए गए हैं।

वहीं, बीते हफ्ते पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की लक्ष्मी भंडार को लेकर कहा था कि इस योजना का लाभ ले रहे कीरब 30 लाख लाभार्थी अपात्र हैं। इनमें से कई गैर-भारतीय हैं या उनके नाम वोटर लिस्ट से स्थायी रूप से हटाए जा चुके हैं। सीएम अधिकारी ने नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के लिए आवेदन फॉर्म जारी किया था। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत अधिकारियों द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आवेदन किया है या एसआईआर से जुड़े ट्रिब्यूनल में वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए अपील की है, वे इस योजना के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में शिकायतें मिली थीं कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट चुके हैं और जिन्होंने ट्रिब्यूनल या सीएए के तहत आवेदन नहीं किया, वे भी योजना का लाभ ले रहे थे। सरकार 1 जून से 90 दिनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। पंचायत क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि सत्यापन की कमी के कारण योजना में पुरुष लाभार्थियों के नाम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं 2 जून तक सफलतापूर्वक नामांकन करा लेंगी, उन्हें अगले कैबिनेट बैठक के बाद डीबीटी के जरिए राशि भेजी जाएगी।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से ढहा मकान

-मलबे से सुरक्षित निकाले गए छह लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भलस्वा डेरी के पास मुकुंदपुर इलाके से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ के इशु विहार की गली नंबर 1 में सुबह अचानक एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि लगभग 250 वर्ग गज में बना एक मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की पाँच गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। आपातकालीन और बचाव टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से फौरन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि अब तक मलबे के नीचे से दो महिलाओं सहित कुल छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस मकान में कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ रहते थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और मलबे को हटाया जा रहा है।

बांद्रा में बिना अनुमति उड़ाए सैकड़ों ड्रोन, पुलिस ने मैनेजर को हिरासत में लिया

-ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त, एक ड्रोन की कीमत करीब 80 हजार रुपए

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बांद्रा पश्चिम में बड़े पैमाने पर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधाज्ञा और सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान में करीब 200 से 250 ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही थी सूचना मिलने पर बांद्रा पुलिस की टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक निजी कंपनी के मैनेजर को हिरासत में लिया और बड़ी संख्या में ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक 28 मई की रात बांद्रा पुलिस स्टेशन के डिटेक्शन स्टाफ को सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम स्थित विंग्स स्पोर्ट क्लब ग्राउंड में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आसमान में सैकड़ों ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर ड्रोन संचालन रुकवाया और मौके पर मौजूद व्यक्ति को हिरासत में लिया जिसकी पहचान गोपाल नारायण सिंह (45) के रूप में हुई, जो दक्षिण दिल्ली के संगम विहार का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह बोल्डसन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और कंपनी के विज्ञापन के लिए ड्रोन आधारित शूटिंग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस पूछताछ में गोपाल से ड्रोन संचालन की अनुमति, आवश्यक लाइसेंस और मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय से प्राप्त मंजूरी से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। हालांकि वह कोई वैध अनुमति पत्र या अधिकृत दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में कंपनी के एक अन्य पदाधिकारी सुनील गुप्ता का नाम भी सामने आया है, जो कई विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया देखता था। आरोप है कि मंजूरी प्राप्त किए बिना ही ड्रोन शो और शूटिंग शुरू कर दी गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में हाई-टेक ड्रोन, कंट्रोल सिस्टम, ऑपरेटिंग किट और एक लैपटॉप जब्त किया है।

आरे में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन मुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे मिल्क कॉलोनी (यूनिट 32) में स्थित हजरत सैयद बरकत अली शाह बाबा दरगाह पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। करीब 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी दरगाह को ध्वस्त करने के लिए तीन बुलडोजर चलाए गए। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई और इसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरोप है कि यह दरगाह दशकों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी, जबकि लोग इस दरगाह को पुरानी और वैध बताने का दावा कर रहे थे। आरे कॉलोनी एक सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और ध्वस्तीकरण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही पत्र लिखकर अवगत कराया था, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की कड़ी निगरानी की जा रही थी। इस मुद्दे को बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने पिछले साल अप्रैल में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने आरे कॉलोनी में कथित अवैध दरगाह और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। बीजेपी नेता सोमैया ने कार्रवाई से कुछ ही दिन पहले इस दरगाह का दौरा भी किया था।

सीएम योगी ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बड़ा ऐलान कर फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर की जनता को संबोधित कर ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी, जिसका लोगों द्वारा लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सीएम योगी ने कहा कि अब यह क्षेत्र फाजिलनगर नहीं बल्कि पावागढ़ के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा और इस भगवान महावीर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया, क्यों हम फाजिल कहे! और इस बदलाव को वर्तमान पीढ़ी का बड़ा सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी ने संकेत दिया कि लोगों की मांग पर विधायक और सांसद मिलकर काम कर रहे थे, और अब नामकरण का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा दिया गया है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का जिक्र कर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने राम मंदिर को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था, और कई पीढ़ियों तक मंदिर निर्माण में बाधाएं आती रहीं। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से ही राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो सका, जबकि कांग्रेस और सपा जैसे दल इसके मार्ग में रोड़े अटका रहे थे और घोषित रामद्रोही थे। मुख्यमंत्री योगी ने मतदाताओं की शक्ति पर जोर देकर कहा कि फाजिलनगर, पडरौना, खड्डा या हाटा जैसे क्षेत्रों में दिया गया एक-एक वोट लखनऊ और दिल्ली में अपनी ताकत दिखाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि इसी वोट की शक्ति से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई, और पाकिस्तान को थर्रा देने वाली मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

-हिजाब बैन से लेकर सैन्य महिला अधिकारियों के मामलों तक की पैरवी

-शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या बढ़कर दो होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में वी. मोहना 12वीं महिला न्यायाधीश होंगी। इससे पहले जस्टिस एम. फातिमा बीवी 1989 में शीर्ष अदालत की पहली महिला जज बनी थीं। वहीं, जस्टिस इंदु मल्होत्रा बार से सीधे नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

वंदे मातरम के पांच अंतरे हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल

-शशि थरूर ने वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल बताया है। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने कहा कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

बता दें वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया। यह मूल रूप से संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में लिखा गया है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। साल 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे राजनीतिक मंच पर गाया था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर ही सम्मान दिया जाएगा।

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

-चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है। इस पूरे विवाद ने बंगाल की सियासत को बेहद संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति

यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया। पार्टी उपाध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि इन विधायकों के बयान और कदम संगठन के हितों के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसके कारण उन्हें प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया।

भजनलाल ने की पीएम मोदी से मुलाकात, सरकार के कामकाज का दिया फीडबैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। प्रदेश में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के मद्देनज़र यह मुलाक़ात अहम मानी जा रही है। सीएम भजनलाल ने सरकार के कामकाज को लेकर भी पीएम मोदी को फीडबैक दिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार को करीब एक घंटे से ज्यादा दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। वहीं इस मुलाक़ात को प्रदेश में आगामी दिनों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों से भी जोड़ जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर से लेकर दिल्ली तक चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन असल वजह क्या है? ये कोई पुख्ता नहीं कर रहा। बता दें पिछले तीन महीने में सीएम की पीएम मोदी से यह तीसरी मुलाकात है। इससे पहले फ़रवरी और मार्च महीने में भी पीएम से मुलाक़ात हुई थी। बताया जा रहा है कि सीएम भजनलाल ने प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं सहित आगामी योजना की जानकारी पीएम मोदी को दी, साथ ही केंद्र के साथ मिलकर चल रही योजनाओं पर भी चर्चा की।

अन्नामलाई ने नितिन नवीन से की मुलाकात, अटकलों का दौर जारी

-राज्यसभा और संगठन में नई भूमिका को लेकर चर्चाएं गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच उनकी दिल्ली यात्रा ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा छोड़कर नई पार्टी बनाने की अफवाहों के बीच अन्नामलाई ने पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बीएल संन्तोष से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार बैठक में उनके संभावित नए दायित्वों और संगठन में भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चा हुई।

जानकारी के मुताबिक भाजपा नेतृत्व ने अन्नामलाई को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनकी क्षमता और संगठनात्मक योगदान के अनुरूप उन्हें आगे भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती रहेगी। बताया जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान वह पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। अन्नामलाई की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उनके भाजपा छोड़ने, नई राजनीतिक पार्टी बनाने अथवा राज्यसभा भेजे जाने जैसी संभावनाओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि उन्होंने इन अटकलों पर खुलकर कुछ भी कहने से इनकार किया है। दिल्ली आने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने केवल इतना कहा था, 'कृपया इंतजार कीजिए, दो दिन बाद हम बैठकर बात करेंगे।' उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता और बढ़ा दी है।

बहुत कम समय में पार्टी का प्रमुख चेहरा बने

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई वर्ष 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे। कम समय में ही उन्होंने तमिलनाडु में पार्टी के प्रमुख चेहरों में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2021 से 2025 तक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई राज्यव्यापी अभियानों का नेतृत्व किया और युवाओं तथा सोशल मीडिया पर मजबूत जनाधार तैयार किया। हाल ही में संपन्न तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हुईं, क्योंकि पार्टी का प्रमुख चेहरा होने के बावजूद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। इसके अलावा कक्षा नौ के विद्यार्थियों के लिए त्रिभाषा नीति को लेकर केंद्र सरकार के निर्णय पर उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी ने भी राजनीतिक बहस को हवा दी और पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व और अन्नामलाई की बैठकों पर सभी की नजरें टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनकी भूमिका को लेकर कोई महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है।

नीट मामला और प्रशासनिक चूकों को लेकर युवा कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से तत्काल हटाए जाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भारतीय युवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अपने देशव्यापी आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से तत्काल हटाए जाने की अपनी मांग को दोहराया है। कांग्रेस की युवा इकाई ने साफ कहा है कि परीक्षाओं से जुड़े बार-बार के विवादों ने देश की शिक्षा व्यवस्था और चयन प्रक्रियाओं में छात्रों के भरोसे को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है।

कांग्रेस की युवा इकाई ने कहा कि वह कई राज्यों में विरोध प्रदर्शनों का नया चरण शुरू करेगी जिसके तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे, छात्रों से संपर्क करने के कार्यक्रम चलाए जाएंगे और प्रदर्शन एवं घेराव किया जाएगा। संगठन ने कहा कि परीक्षाओं संबंधी बार-बार पैदा होने वाले विवादों से शिक्षा व्यवस्था में छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए कई राज्यों का दौरा करेंगे। यह अभियान महाराष्ट्र, तेलंगाना, असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में चलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा संबंधी अनियमितताएं होने और प्रशासनिक चूक के कारण छात्रों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने परीक्षाएं कराने से जुड़ी संदिग्ध संस्थाओं को ठेके दिए जाने संबंधी खबरों पर भी चिंता जताई। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि इस देश के छात्र रोजगार, न्याय और जवाबदेही के हकदार हैं। इसके बजाय उन्हें प्रश्नपत्र लीक, अनिश्चितता और चरमराई हुई परीक्षा व्यवस्था मिली है। उन्होंने कहा कि संगठन अपना विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखेगा, जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को हटाया नहीं जाता।

चिब ने सरकार पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि परीक्षाओं के पेपर लीक होने एवं अनियमितताओं के कारण युवा अभ्यर्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब हम इस आंदोलन को पूरे देश में तेज कर रहे हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक पीएम मोदी धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने के लिए मजबूर नहीं हो जाते।

सिंधु जलसंधि पर खेल-1 अगस्त से भारत कर रहा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स का काम शुरू

-चिनाब नदी के पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा, 2029 तक का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार इस साल 1 अगस्त से अपने सबसे महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स में से एक पर काम शुरू करने जा रही है। करीब 2,300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को 31 जुलाई 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके तहत चिनाब नदी के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनएचपीसी के एक दस्तावेज के मुताबिक 'लिंक-3 प्रोजेक्ट' हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की लाहौल घाटी में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है। इस योजना के तहत चिनाब नदी पर 19 मीटर ऊंचा बैराज बनाया जाएगा। इसके साथ एक इंटेक स्ट्रक्चर और करीब 8.7 किलोमीटर लंबी जल परिवहन सुरंग का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के दूसरे चरण में जलविद्युत उत्पादन की भी संभावना रखी गई है। दस्तावेज में बताया गया है कि प्रस्तावित बैराज के आसपास का इलाका बेहद दुर्गम और पहाड़ी है। यहां चिनाब नदी एक चौड़ी यू-आकार की घाटी से होकर बहती है। क्षेत्र की ऊंचाई करीब 3,095 मीटर से लेकर 6,517 मीटर तक है और यहां तीखी पर्वत श्रृंखलाएं और गहरी घाटियां मौजूद हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक करीब 8.7 किलोमीटर लंबी यह सुरंग चिनाब बेसिन के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी प्रणाली में पहुंचाएगी। इस परियोजना को पाकिस्तान के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि चिनाब सिंधु जल संधि के तहत पश्चिमी नदियों में शामिल है, जिन पर भारत के अधिकार सीमित रहे हैं। हालांकि, पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को लेकर कड़ा रुख अपना लिया था। पानी मोड़ने का प्रस्तावित स्थल कोस्कर गांव के पास स्थित है और यह अटल टनल रोहतांग के उत्तरी छोर से आगे पड़ता है।

इस परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक इंजीनियरिंग या जलविद्युत परियोजना नहीं है, बल्कि पश्चिमी नदियों के पानी के बेहतर उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय नीति निर्माताओं और जल विशेषज्ञों का लंबे समय से मानना है कि पश्चिमी नदियों का काफी पानी पर्याप्त भंडारण और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बिना इस्तेमाल हुए पाकिस्तान की ओर बह जाता है। चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को इसी समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से उत्तर भारत में जलविद्युत उत्पादन की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। अधिकारियों के मुताबिक दूसरे चरण में पानी के इस नए प्रवाह का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हिमालयी नदियों को भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों में गिना जाता है। ऐसे समय में जब देश थर्मल पावर पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है, यह परियोजना ऊर्जा और जल प्रबंधन दोनों दृष्टि से अहम मानी जा रही है।

बदमाशों ने फोन कर बॉबी को बुलाया, घेरकर किया चाकू से ताबड़तोड़ वार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर में पैसे के विवाद पर एक 23 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मृतक हाल ही में तिहाड़ जेल से बाहर आया था। इस मामले में एक नाबालिग सहित पांच संदिग्धों को पकड़ा गया है। मृतक की पहचान बाहरी दिल्ली के रान्हौला स्थित अमृतपुरी निवासी बॉबी गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात करीब 9:30 बजे उत्तम नगर में एक जनरल स्टोर के पास पांच-छह युवकों ने उस पर हमला किया। बॉबी के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि उसे फोन करके बाहर बुलाया गया था। उसकी मां ने बताया कि वह शाम 6 बजे घर से निकला था पर वापस नहीं आया। उसकी बहन ने भी बताया कि उसे मिलने के बहाने बुलाया गया और हमलावरों ने घेरकर चाकू मारा। पुलिस को माता रूप रानी मैंगो अस्पताल से घटना की सूचना मिली, जहां बॉबी को कई चाकू के घावों के साथ भर्ती कराया गया था। उसे बाद में राठी अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि बॉबी का कुछ स्थानीय युवकों से पैसे को लेकर विवाद था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बॉबी से पैसे मांगे थे, जिसके मना करने पर उन्होंने हमला किया। पुलिस ने बताया कि बॉबी डेढ़ महीने पहले ही तिहाड़ जेल से डकैती के एक मामले में बाहर आया था। निहाल विहार पुलिस थाने में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे। इस मामले में एक नाबालिग सहित पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अन्य हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फोरेंसिक और अपराध टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सबूत इकट्ठा करने के लिए जांच की। मामले की आगे की जांच जारी है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप रूप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्महत्या का मामला समझकर 17 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम करवाया।

महंगे शौक पूरा करने के लिए करते थे धोखाधड़ी, दो भाइयों समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। इंस्पेक्टर क्राइम पवन शर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में बरेली के थाना कैंट क्षेत्र के मोहल्ला नकटिया निवासी अंशुल मिश्रा, राज गुप्ता और उसका बड़ा भाई आयुष गुप्ता हैं। अंशुल वर्तमान में शाहजहांपुर के थाना तिलहर क्षेत्र के मोहल्ला हिंदू पट्टी में रह रहा है। राज गुप्ता ने हाईस्कूल और बाकी दोनों ने इंटर तक पढ़ाई की है। पूछताछ में पता चला कि अंशुल के मोबाइल में फेक एप इंस्टॉल है। यह एप तीनों ने कुछ दिन पूर्व इंटरनेट पर देखकर इंस्टॉल किया था। इस एप से पेमेंट करने पर असली एप की तरह स्क्रीन दिखता है लेकिन पेमेंट करने पर खाते से कोई भी धनराशि नहीं कटती और न ही रिसीवर के खाते में पहुंचती है। जबकि मैसेज पेमेंट सक्सेसफुल होना प्रदर्शित हो जाता है। इससे सामने वाले को पेमेंट होने का विश्वास हो जाता है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह धोखाधड़ी महंगे शौक पूरा करने के लिए करते थे। उन्होंने कबूल किया कि 25 मई की दोपहर दो बजे शाहजहांपुर के मोहल्ला महमंद गढ़ी निवासी नावेद खां की दुकान से कपड़े खरीदे थे। फेक एप के माध्यम से 15450 रुपये का पेमेंट किया। उनकी दुकान पर रखा एक थैला भी चोरी कर लिया। इसमें दो टी-शर्ट व एक पैंट थी। इसके बाद बरेली निकल गए। कटरा के पास पढ़ने वाले पेट्रोल पंप से पांच सौ रुपये का फ्यूल भी बुलेट बाइक में डलवाया और सेल्समैन को डरा धमकाकर बिना रुपये दिए निकल गए।

जीते जी खराब कर दी पत्नी की किस्मत, पति ने छुपाई ऐसी सच्चाई; जिसे जान उड़े आरती के होश

बल्लभगढ़। महिला थाना सेंट्रल में एक महिला ने अपने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, दहेज प्रताड़ना और मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि पति ने पहले से शादीशुदा होने की बात छुपाकर दूसरी शादी की और बाद में महिला को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। अगवानपुर स्थित विनय नगर निवासी आरती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 12 नवंबर 2024 को भास्कर निवासी गोविंदपुरी कालकाजी नई दिल्ली के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में उसके परिवार ने करीब सात लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद ही ससुराल पक्ष दहेज से असंतुष्ट दिखाई देने लगा और अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए उसे परेशान किया जाने लगा। महिला का आरोप है कि पति भास्कर शराब पीने का आदी है और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। जब उसने इसकी शिकायत अपने सास-ससुर से की तो उन्होंने समझाने की बजाय पति को उसके खिलाफ भड़काना शुरू कर दिया। उनकी ननद अनीता पर भी गाली-गलौज और मारपीट करती है। पीड़िता ने बताया कि शादी के करीब दो महीने बाद उसे पता चला कि उसका पति पहले से शादीशुदा है और उसने अपनी पहली पत्नी से कानूनी तौर पर तलाक भी नहीं लिया था। आरोप है कि यह बात पति, सास-ससुर और रिश्ते के बिचौलिए हरीश ने जानबूझकर छुपाई थी। महिला के अनुसार 29 अगस्त 2025 को ससुराल पक्ष ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की, जिसके बाद उसने अपने भाई को बुलाया और वह मायके लौट आई। आरोप है कि उसके जेवर और दहेज का सामान ससुराल वालों ने अपने कब्जे में रखा हुआ है। महिला थाना सेंट्रल पुलिस ने शिकायत, काउंसलिंग रिपोर्ट और दस्तावेजों की जांच के बाद पति, सास-ससुर, ननद और बिचौलिए के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

फरीदकोट नशा विरोधी अभियान में पंजाब के शीर्ष जिलों में शामिल

फरीदकोर्ट। भगवंत मान सरकार के नशा विरोधी अभियान के तहत फरीदकोट जिला एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आया है। जिले में कुल अपराध में 37% की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि लूटपाट के मामलों में 97% रिकवरी दर हासिल हुई है। यह युद्ध नशेयां विरुद्ध और 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत लगातार चल रही कार्रवाई का परिणाम है। फरीदकोट में यह बदलाव सख्त कार्रवाई, तकनीक आधारित निगरानी और मजबूत जनभागीदारी के संयोजन से संभव हुआ है। इन प्रयासों ने स्थानीय स्तर पर नशा नेटवर्क को कमजोर किया है और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया है। भगवंत मान सरकार का नशे के तंत्र को खत्म करने का अभियान अब जिला स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ग्राम रक्षा समितियों गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के साथ नियमित बैठकों से जमीनी स्तर की खुफिया जानकारी मजबूत हुई है। इसके चलते लोग अब नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों की जानकारी सक्रिय रूप से साझा कर रहे हैं, जिससे पुलिस को तेजी और सटीकता के साथ कार्रवाई करने में मदद मिल रही है। अभियान की निगरानी कर रहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा जैन, आईपीएस ने कहा, लोगों का पुलिस पर भरोसा बढ़ा है क्योंकि सूचनादाताओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और तुरंत कार्रवाई की जाती है। हर आयु वर्ग के लोग इस अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वास नशे और अपराध के खिलाफ कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है। इस बदलाव में तकनीक की भी अहम भूमिका रही है। फरीदकोट के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों ने निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत किया है। ढिलवां कलां गांव में एक व्यापक सीसीटीवी नेटवर्क स्थापित किया गया है, जो लिंक सड़कों और आसपास के राजमार्गों को कवर करता है। इस प्रणाली की रियल-टाइम निगरानी गांव प्रशासन और पुलिस दोनों के पास उपलब्ध है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी इन प्रयासों के असर को स्वीकार किया है। गांव के सरपंच सुखजीत सिंह ने बताया कि सीसीटीवी निगरानी के जरिए नशा तस्करी से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का समय रहते पता चल रहा है, जिससे पुलिस तुरंत कार्रवाई कर पा रही है और अपराध होने से पहले ही आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों ने भी इस बदलाव को सकारात्मक बताया है। सहारा सेवा सोसाइटी के चेयरमैन प्रवीण काला ने कहा कि सख्त कार्रवाई से जिले में नशा तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और पुलिस के साथ लोगों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सख्त कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता अभियान, स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय और पर्यावरण व पौधारोपण जैसी सामुदायिक पहल भी चलाई जा रही हैं, ताकि नशे के खिलाफ दीर्घकालिक सामाजिक बदलाव सुनिश्चित किया जा सके। भगवंत मान सरकार के युद्ध नशेयां विरुद्ध स्थापित किया गया है, जो लिंक सड़कों और आसपास के राजमार्गों को कवर करता है। इस प्रणाली की रियल-टाइम निगरानी गांव प्रशासन और पुलिस दोनों के पास उपलब्ध है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी इन प्रयासों के असर को स्वीकार किया है। गांव के सरपंच सुखजीत सिंह ने बताया कि सीसीटीवी निगरानी के जरिए नशा तस्करी से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का समय रहते पता चल रहा है, जिससे पुलिस तुरंत कार्रवाई कर पा रही है और अपराध होने से पहले ही आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। सिविल सोसायटीअभियान के तहत सख्त पुलिसिंग, तकनीक का प्रभावी उपयोग और मजबूत जनभागीदारी के साथ फरीदकोट एक आदर्श जिले के रूप में उभर रहा है। यह दिखाता है कि समन्वित प्रयासों से नशा नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है और कानून-व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत किया जा सकता है।

Public Notice

It is for general information that I Mohd Sof Khan S/o Asfaq Khan, R/O A-498 Gali No-14, Shri Ram Colony, Rajeev Nagar Delhi-110094, declare that my father's name has been wrongly written as Asfaq in my 10th Class educational documents. The actual name of my father is Asfaq Khan, respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I Hitherto Known as BARKHA GUPTA alias RENU JAIN D/o PRAMOD KUMAR GUPTA W/o MUKUL JAIN residing at , 9245/5 , Multani Dhanda , Pahar Ganj , PO : Swami Ram Tirth Nagar , Dist : Central Delhi , Delhi 110055 have changed my name and shall hereafter be known as RENU JAIN.

NAME CHANGE

It is for general information that I, UMESH MAHTO S/o RAMESHWAR MAHTO R/o Kh No. - 648 , Near Shiv Mandir, Ali Pur PO : Alipur , Dist : North West Delhi , Delhi - 110036 declare that the name of mine has been wrongly written as UMESH KUMAR MAHTO in my minor son namely ANSH KUMAR aged 16 years in his 10th class Educational Documents . The actual name of mine is UMESH MAHTO Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Arvinder Pal Singh Wadhwa S/O, Amrik Singh R/O, Plot No 160 SF, Chand Nagar, Delhi, 110018 has changed my name to Arvinder Pal Singh for all future purposes.

Name Change

I Rimsha alias Rimsha Tasleem D/o Mohd Jameel R/o House No 1295, Pahari Imli Choori Walan ,Delhi 110006 inform that I have changed my name from Rimsaa Tasleem to Rimsha for all future Purposes both Rimsaa Tasleem alias Rimsha is same and one person

NAME CHANGE

I Kritika W/O, Nikhil Batra R/O, Q-32, 1st Floor, West Patel Nagar, Central Delhi, Delhi, 110008 has changed my name to Kritika Baluja for all future purposes.

NAME CHANGE

I Vinay Kumar S/o Jaswant Singh R/O, 392, SFS Flat Golden Jublee Appartment, Sector-11, Rohini, North West Delhi, Delhi- 110085 have changed my Daughters name from Navika to Navikaa Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sandeep Kumar, S/O Ram Kanwar R/O, UP-89 First Floor, Block-UP, Maurya Enclave, Pitampura, Saraswati Vihar, North West Delhi-110034 has changed my name to Sandeep Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Nakul Kaushik S/0 Amit Kaushik R/o 10/152 Farash Khana Halwai Hatta Sonipat Haryana 131001 have changed my name to Nakul forall future purpose

NAME CHANGE

I Somya Kaushik D/0 Amit Kaushik R/o 10/152 Farash Khana Halwai Hatta Sonipat Haryana 131001 have changed my name to Somya for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सुधीर त्यागी पुत्र श्री राजवीर सिंह, निवासी 281, ग्राम बसन्तपुर सैंथली, मुरादनगर, गाजियाबाद, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट संख्या -184, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, खसरा संख्या 618, स्थित महालक्ष्मी एंक्लेव, ग्राम बसंतपुर सैंथली, परगना जलालाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1430-1435 द्वारा मालिक व काबिज है। मेरे मुवक्किल श्री सुधीर त्यागी ने अपने पुत्र श्री अर्चित त्यागी को उक्त संपत्ति का मुख्तरनाम, मुख्तरनामा दिनांक 29.03.2024, क्रमांक 41, सब रजिस्ट्रार मोदी नगर, द्वारा नियुक्त किया है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल अपने मुख्तारनाम श्री अर्चित त्यागी द्वारा उक्त कथित सम्पत्ति को श्री तेजन चौधरी पुत्र श्री संजीव सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है, कि मेरे मुवक्किल श्री चरण सिंह और श्रीमती पिंकी, दोनों निवासी मकान नंबर T-98/2, ग्राम चिराग-दिल्ली, नई दिल्ली-110017 ने अपने पुत्र अभिषेक और पुत्र वधू श्रीमती मनीषा को उनके अवज्ञाकारी और दुर्व्यवहार आचरण, के कारण, अपनी सभी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, और अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं। जो भी व्यक्ति उनसे भविष्य मे लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम, व्यय और जिम्मेदारी पर करेगा।

विनोद यादव अधिवक्ता
LL.M;D/1449/2006
चैंबर नंबर 606, लॉयर्स चैंबर ब्लॉक
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110017
मोबाइल: 9999561580
ईमेल
ADVOCATEVINODYADAV@GMAIL.COM

NAME CHANGE

I Amit S/0 Amar singh Kaushik R/o 10/152 Farash Khana Halwai Hatta Sonipat Haryana 131001 have changed my name to Amit Kaushik for all future purpose

NAME CHANGE

I Kavita W/0 Amit Kaushik R/o 10/152 Farash Khana Halwai Hatta Sonipat Haryana 131001 have changed my name to Kavita Kaushik forall future purpose

NAME CHANGE

I Kirti D/0 Sanjay kumar Bansal R/o H.No 77-78 Pocket 15 Sector 24 Rohini North West Delhi 110085 have changed my name to Kirti Bansal for all future purpose

NAME CHANGE

I Punam W/0 Sanjay kumar Bansal R/o H.No 77-78 Pocket 15 Sector 24 Rohini North West Delhi 110085 have changed my name to Punam Bansal for all future purpose

NAME CHANGE

I, Sanjeev Kumar Pathak S/O Nityanand Pathak R/O 131, Batuk Ji CGHS Ltd., Plot 5 B, Sector-3 Dwarka N.S.I.T., Dwarka, South West Delhi, Delhi 110078 I, Have Changed My Name to Sanjeev Pathak

NAME CHANGE

I, HUMA NAAZ W/o ALEEM UDDIN ZAIDI R/o H NO-562/18, OPP RAZA MASJID, ZAKIR NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to HUMA NAZ.

NAME CHANGE

I, ALIMUDDIN ZAIDI S/o HUSSAIN AHMAD ZAIDI R/o H NO-562/18, OPP RAZA MASJID, ZAKIR NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to ALEEM UDDIN ZAIDI.

NAME CHANGE

I Rajesh Kumar S/o Gian Chand R/o S 47, 1st floor, Sushant Lok 2 Sector 57, Gurgaon - 122011 have changed my name from Rajesh Kumar to Rajesh Saini for all future purposes.

NAME CHANGE

I, HAMID HASAN S/O ABDUL GHANI residing at H NO-6/399, CHHIPIYAN, HAZIRA SARAI, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247001.have changed my name to HAMID HASAN ANSARI for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHUBHAM SAGAR S/O RANVIR BAHADUR SINGH R/O , 123 SOUTH ANARKALI KRISHNA NAGAR DELHI -110051 have changed my name to SHUBHAM SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ELIZA RUTH RAAJRAHI D/O MOTI LAL R/O H.NO 10.PHILIPPINES EMBASSY,50 N NYAYA MARG N D M C CHANAKYA PURI DELHI-110021have change my name ELIZA LALL FRANKEY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KUMARIVIJAYLAXMI ONKARNATH SINGH W/0 Vikram Singh R/0 S2/506 Saraswati Apartments D6 Vasant Kunj Changed my name to Vijaylaxmi Singh

NAME CHANGE

I SHAZIA W/0 Jatin Kumar R/0 H.No - 1/66 CP J- Block New seelampur Delhi 110053 Changed my name to SARITA

NAME CHANGE

I SABRI W/O NAFEES AHMED R/O 1783 KATRA SHEIKH CHAND LAL KUAN HAUZ QAZI DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO SABRI BEGUM

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, शिव दत्त शर्मा, निवासी बी-38, बी-ब्लॉक, कृष्णा विहार, शनि बाजार रोड के निकट, सुल्तानपुरी सी-ब्लॉक, उत्तर-पश्चिम दिल्ली - 110086, अपने पुत्र श्री अमित शर्मा तथा उनकी पत्नी श्रीमती मोनिका शर्मा के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार/आचरण के कारण उनसे अपने सभी संबंध एवं नाते-रिश्ते पूर्णतः समाप्त करता हूँ। मैंने उन्हें अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल (Disown) कर दिया है। अतः भविष्य में उनका मेरी किसी भी संपत्ति पर कोई अधिकार, स्वामित्व या हिस्सा नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति उनसे किसी प्रकार का लेन-देन करता है, तो वह अपने स्वयं के जोखिम पर करेगा। मैं अथवा मेरा परिवार उनके किसी भी दायित्व, ऋण, देनदारी अथवा कार्यों के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

Umang Aditya Singh Adv
6th floor 612 Lawyer's chamber
Rohini Court, New Delhi
[02/06, 16:00] +91 96509 71672:

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR S/O NARESH KUMAR R/O Gram Rasulpur Zahid, PO: Rasulpur Kinoni, District Meerut, Uttar Pradesh-250502, have changed my name and shall hereafter be known as RAVI.

NAME CHANGE

I, MEENA DANGI W/O CHHATTER SINGH DANGI R/O Flat No 15063, Tower-1, 16th Avenue, Sec-16C, Gaur City-2, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor son PRIYANSH SINGH DANGI aged 8 years and he Shall hereafter be known as VIRAT SINGH.

NAME CHANGE

I, hitherto known as NITIN S/O MAHIPAL SINGH R/O 26, Kulsera, PO : Kulsera, Dist : Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh 201306 have changed my name and shall hereafter be known as NIKHIL.

NAME CHANGE

I, KRISHAN DATT BHATT S/O PARMANAND BHATT R/O F3-28A SDV LAKKARPUR FARIDABAD HARYANA 121009, CHANGED MY NAME TO KRISHAN DUTT BHATT.

NAME CHANGE

LIYAQAT ALI S/O SHAMSHAD R/O VILLAGE SHAHPUR NANGLI, TEHSIL NUH, DISTT NUH MEWAT HARYANA 122107. HAVE CHANGED OF MY NAME LIAQAT TO LIYAQAT ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I hitherto known as Arti Choudhary W/O: Vipin Kumar, R/O churiyala, Churiyala, PO: Govindpuri, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201201, have changed my name and shall hereafter be known as the Karishma Choudhary.

NAME CHANGE

I, PREETI GOSWAMI D/o PARVINDER KUMAR R/O H NO-A-343, CHHATTARPUR ENCLAVE, PHASE-2, SOUTH DELHI, DELHI-110074 have changed my name from PREETI to PREETI GOSWAMI for all future purposes. That I declare that PREETI AND PREETI GOSWAMI both are same person.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as SHREYA D/O TARUN KUMAR JHA R/O B-45, Second Floor, Dilshad Colony, New Seemapuri, East Delhi, Delhi-110095 have changed my name and shall hereafter be known as SHREYA JHA.

NAME CHANGE

I, BHIM KUMAR S/o KHUSHI RAM, R/o D-200, First Floor, Sushant Lok, Phase 1, Sector 43, Gurgaon, Haryana - 122002, have changed my name from BHIM KUMAR to BHIM KUMAR GULATI for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sahil S/o Manohar Lal R/o 52/8, Marla, Model Town, Gurgaon - 122001 have changed my name from Sahil to Sahil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUKRITIN son of DEVENDRA KUMAR residing at C-19,20,20-A, Mahendra Enclave Razapur, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as SUKRITIN PAL

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Gaurav Singh Bisht** is purchasing the Second Floor with Roof Rights of Property bearing no. Plot no. A-109 Block A Out of Khasra no. 8/14 & 15 , Jain Park Village Matiala , Uttam Nagar, Delhi - 110059 from Ms. Rinki Ghandhi who is the owner of the above mentioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL Dated 05.07.2019 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I SYED MOHAMMAD FAHIMUDDIN S/O SYED MOHAMMAD JALILU RAHMAN R/O E-53, SHAHEEN BAGH , JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI- 110025. HAVE CHANGED MY NAME TO S.M.FAHIMUDDIN

NAME CHANGE

I, AJAY KUMAR S/o Kali Ram R/o H.No.812 P, 2nd Floor, Sec-16, Faridabad-121002, Haryana, have changed my name from AJAY KUMAR to AJAY KUMAR SIWACH permanently.

NAME CHANGE

I, MONIKA DEVI W/o AJAY KUMAR SIWACH R/o H.No.812 P, 2nd Floor, Sec-16, Faridabad-121002, Haryana, have changed my name from MONIKA DEVI to MONIKA permanently

NAME CHANGE

I, IRFAN S/O AAS MOHMMAD residing at NEAR MASJID, DHIIRANKA(249), PO-HURITHAL, PALWAL, HARYANA-121102. have changed my name to MOHD IRFAN for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-14659983L Rank-HAV Name-JADHAV SUBHASH RAMDAS residing at VPO-DHORJALGAON, TEHSIL & DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414001, have changed my mother's name from SITABAI RAMDAS JADHA to SITABAI RAMDAS JADHAV for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of her correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 02/06//2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ram Bhot Ritu W/o Amit Kumar R/o Village Daulat pur, Najafgarh, South West Delhi, Delhi - 110043 have changed my name and shall hereafter be known as Ritu Yadav

NAME CHANGE

I, Meenu Sharma W/o Naveen Kapila R/o House no. WZ- 25, First Floor, Mukh Ram Park Extn., Tilak Nagar, PO: Tilak Nagar, Dist: West Delhi, Delhi - 110018 have changed the name of my minor daughter Shorya Kapila aged 12 years and she shall hereafter be known as Duashre Kkapila

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बम्पल्ली बालमणि, पत्नी श्री बम्पल्ली श्रीनिवास, ने तीसली मंजिला, छत के अधिकारो सहित, 54 वर्ग गज (अर्थात 45.15 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल नाली संपत्ति संख्या ए-8 (पुरानी संपत्ति सख्या 08) पर निर्मित, रेक्ट सख्या के, की सख्या 19 और 20 में निर्मित, जो गुरु राम दाम नगर, लक्ष्मी नगर की आबादी में, ग्राम जुरेली खास, इलाका माइवरा, दिल्ली-110092 के क्षेत्र में स्थित है, के संबंध में पंजीकृत संपत्ति के आधार पर अनुबंध किया है। दिनांक 10.11.2008 को जारी जीपीए (GPA), वो एसआरओ-VIIIA, प्रीत विहार कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, अतावेज सख्या 381, पुस्तक संख्या 4, खंड संख्या 212, पृष्ठ राख्या 68-71, दिनाक 24.06.2020, एटीएम और नमीयत, श्रीमती गीता और पत्नी श्री जितेंद्र मैत्री द्वारा निष्पादित की गई है, और उक्त संपत्ति श्रीगती पूजा की बेची जाती है, और इसका विनपोषण एमएमएफनी इडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उस संपति में कोई प्रभार/हिन/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई बिबाद है, तो कृपया बर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।,

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री नरेश कुमार पुत्र जय नारायण, निवासी ओ-46, गली नंबर 10, फेज-4 शिव विहार, मुस्तफाबाद, उत्तर पूर्व, दिल्ली-110094 के निर्देशों के तहत, यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल ने व्यक्तिगत कारणों से अपने पुत्र श्री कार्तिकेय कुमार मधारे को सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है इसके बाद, श्री कार्तिकेय कुमार मधारे को मेरे मुवक्किल की किसी भी संपत्ति पर कोई अधिकार या दावा नहीं होगा।जो भी व्यक्ति उससे सार्वजनिक व सामाजिक लेन देन करेगा, वह अपने जोखिम पर ही करेगा।

संदीप सोनी वकील

NAME CHANGE

I, SARITA KUMARI SHAH W/o Rajesh Kumar R/o C-22C, New Slum Flats, Near DSIDC, Paschim Puri, Delhi-110063, have changed my name from SARITA KUMARI SHAH to SARITA SHAH permanently

NAME CHANGE

I, Roshanara W/o Vaseem Beg Mirza R/o 7/29 4537/XI B-3 First Floor Back Side Ansari Road Darya Ganj Delhi 110002 have changed my name to Roshanara Begum permanently

NAME CHANGE

I, Prachi W/o Garvit Johar R/o Flat No.350, MIG Kautilya, Apartment, Pocket-2, Sector-14, Dwarka, New Delhi-110078 have changed my name to Prachi Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, LAXMI wife of No-14651688N, Rank-HAV, Name-VIRUPAXI KOTABAGI residing at VILL-KURANIWADI, PO-KURANI, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591221, have changed my name from LAXMI to LAXMI VIRUPAXI KOTABAGI for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO.-10495825Y Rank-SEP Name-HARPAL legal father of SUNNI KAPOOR residing at-VILL-JOVI, PO-CHOURI DHAR, TEHSIL-KARSOG, DIST-MANDI, H.P-175011, have changed my minor son's name from SUNNI KAPOOR to SUNNY KAPOOR for all future purposes vide affidavit dated 02/06/2026 Before Executive Magistrate, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजुम नसरीन पत्नी श्री एम.डी. इदरीश, प्लॉट संख्या 9, क्षेत्रफल 130 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 13/13/03 का भाग है तथा ग्राम ख्याला, आबादी रवि नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110018 में स्थित है, पर निर्मित ऊपरी भूतल (Upper Ground Floor), क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, श्री देश राज से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री दर्शन सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 30.12.1974 की सामान्य मुख्तारनामा (GPA) के माध्यम से श्री उत्तम सिंह के पक्ष में तथा विक्रय अनुबंध (Agreement to Sell) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से श्री जोगिंदर सिंह के पक्ष में अपने अधिकार हस्तांतरित किए। इसके पश्चात, श्री उत्तम सिंह ने दिनांक 28.11.1985 की GPA के माध्यम से अपने अधिकार श्री वेद पाल के पक्ष में हस्तांतरित किए तथा श्री जोगिंदर सिंह ने दिनांक 28.11.1985 के Agreement to Sell एवं Will के माध्यम से अपने अधिकार श्री वेद पाल के पक्ष में हस्तांतरित किए। तत्पश्चात, श्री वेद पाल ने दिनांक 03.12.1985 की नोटरीकृत GPA, Agreement to Sell एवं Will के माध्यम से अपने अधिकार श्री देश राज के पक्ष में हस्तांतरित किए। फलस्वरूप, श्री देश राज उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, प्रभार, ग्रहणाधिकार अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया यह भी संज्ञान में लें कि उक्त संपत्ति के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता (Housing Finance) प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as MEHJABEEN alias MAHJABIN D/o MOHD MOHSIN KHAN R/o A-35/2, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as MEHJABIN.

NAME CHANGE

I hitherto known as MUJEEB alias MUJEEB KHAN S/o RAISUDDIN R/o 5315, GALI CHNADI WALI, KUCHA RAHMAN, CHANDANI CHOWK, DELHI G.P.O. , NORTH DELHI,DELHI-110006, have changed my name and shall hereafter be known as MUJEEB KHAN.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Rakesh Sharma S/o Ram Prakash R/o 59, Near Shiv Mandir, Sadullapur Urf Madlepur, Jewar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203135 declare that name of mine has been wrongly written as Rakesh in my Service Book. The actual name of mine is Rakesh Sharma.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Deepti alias Km. Deepti, daughter of Shri Shivdas Mishra, residing at House No. N-169, 1st Floor, Sector-12, Near Noida Stadium, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, have changed my name and shall hereafter be known as Deepti Mishra.

NAME CHANGE

I, Shahid Ali Bhati S/O Jameel Khan R/O FF-2, Plot No. 136, 137, Royal Garden, Near Mahroli Railway Crossing, Ghaziabad, Avintika Ext. Part -II, Govindpuram, PO: Govindpuram, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201103, have changed the name of my minor son Sharad Khan aged 17 years and he shall hereafter be known as Abdul Ahad Bhati

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Rani W/o Mr. Jagat Yadav is the owner of Freehold Residential Built-up Property Land area measuring 50 Sq. Yds. out of Khasra No.385 and 386 Part of Bearing Property No. G-194 Situated in the area of Village Karawal Nagar in the Abadi of Delhi Police Side, 5th Pusta, Sonia Vihar, Illaqa Shahdara, Delhi-110094. by virtue of Notarized GPA, Agreement to Gift and WILL dated 19.06.2009., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Ram Kishan and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जींद में जल संरक्षण अभियानः दर्जनों अवैध पेयजल कनेक्शन काटे गए

एजेंसी

जींद। जल संरक्षण अभियान के तहत जींद जिले में गांव जजवान सहित 10 गांवों में अभियान चलाया गया, जिसमें दर्जनों अवैध पेयजल कनेक्शन काटे गए। जानकारी देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि गांव जाजवान में कनिष्ठ अभियंता संजीत कुमार की अगुवाई में जल संरक्षण अभियान चलाया गया। ब्लाक नरवाना में खंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में गांव खरल, उचाना में कुशल शर्मा की अध्यक्षता में गांव काब्रछा, जुलाना में सोमलता सैनी की अध्यक्षता में गांव जुलाना, पिल्लूखेड़ा में खंड सम्यक सुरेंद्र दुग्गल की अध्यक्षता में गांव ललित खेड़ा में जल संरक्षण अभियान चलाया गया। मताना ने बताया कि इस अभियान के तहत गांव जाजवान में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीम ने पेयजल आपूर्ति चलवा कर घर-घर जाकर पेयजल के कनेक्शन चेक किए। इस मौके पर विभाग की टीम को कई कनेक्शन खुले मिले, जिससे पेयजल की बर्बादी हो रही थी। विभाग की टीम ने उन लोगों को नोटिस दिया और उन्हें समझाया ताकि वह अगले दो दिन में अपने नलों पर टेप लगवा लें।

हरियाणा में कांग्रेस नेताओं को प्रदर्शन व रैली से पहले लेनी होगी हाईकमान की मंजूरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं हरियाणा के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने प्रदेश के सभी सांसदों, विधायकों, पूर्व सांसदों-विधायकों, जिला अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब राज्य में होने वाले किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम के लिए पहले हरियाणा कांग्रेस कमेटी से अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति होने वाले कार्यक्रमों को अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना जाएगा। बीके हरिप्रसाद के नए दिशा निर्देशों को हरियाणा कांग्रेस में अनुशासन लागू करने और समानांतर राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगाने की बड़ी पहल माना जा रहा है। कांग्रेस प्रभारी के अनुसार, प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आंदोलन, धरने, प्रदर्शन, प्रेस वार्ताएं और अन्य राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संगठनात्मक मजबूती, प्रभावी मीडिया प्रबंधन और एकीकृत राजनीतिक रणनीति सुनिश्चित करने के लिए अब किसी भी प्रकार का बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस की पूर्व अनुमति और स्वीकृति के बिना आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। नए निर्देशों के अनुसार किसी भी प्रस्तावित कार्यक्रम, आंदोलन या राजनीतिक गतिविधि का पूरा विवरण पहले हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चंडीगढ़ कार्यालय को उपलब्ध करवाना होगा।

हरियाणा के तीन जिलों में खुलेंगे नए स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री की मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश के तीन अलग-अलग जिलों में नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत गुरुग्राम, भिवानी और हिसार जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिससे स्थानीय आबादी को सीधे तौर पर आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने चंडीगढ़ में इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के इस निर्णय के अनुसार गुरुग्राम जिला के गांव घामडौज में एक नया उप-स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा, जबकि भिवानी जिला के गांव धनाना तथा हिसार जिला के गांव सिसाय बोला में एक-एक नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्थापना की जाएगी। इन केंद्रों के बनने से आसपास के दर्जनों गांवों की निर्भरता बड़े शहरों के अस्पतालों पर कम होगी। आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज या आपातकालीन स्थिति में दूरदराज के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि उन्हें उनके घर के नजदीक ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नए सामुदायिक और उप-स्वास्थ्य केंद्रों के खुलने से स्थानीय स्तर पर मुफ्त दवाएं, जांच और डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सरकार का लक्ष्य आगामी दिनों में ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूत करना है ताकि 'स्वस्थ हरियाणा' के संकल्प को धरातल पर उतारा जा सके।

हरियाणाः 'एकमुश्त निपटान योजना-2026' लागू, व्यापारियों को बड़ी राहत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने व्यापारी वर्ग को बहुत बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। प्रदेश के व्यापारियों के लंबे समय से लंबित पड़े टैक्स मामलों के स्थाई और त्वरित निपटान के लिए सरकार ने आधिकारिक तौर पर 'एकमुश्त निपटान योजना-2026' को लागू करने का निर्णय लिया है। सरकार के इस कदम से राज्य के व्यापारिक समुदाय को अदालती मुकदमों और पुराने टैक्स विवादों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सकेगी। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन और समय-सीमा की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष राहत योजना आज यानी एक जून 2026 से शुरू होकर आगामी 28 सितंबर 2026 तक प्रभावी रूप से लागू रहेगी। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि हरियाणा सरकार की यह नीति पहले भी व्यापारियों के बीच बेहद लोकप्रिय और सफल रही है, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि वर्ष 2025 में भी प्रदेश के रिकॉर्ड 1,15,223 व्यापारियों ने इस योजना का भरपूर लाभ उठाया था।

मुख्यमंत्री ने बैठक में 16 में से 13 मामलों का किया समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जन शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। सरकार की प्राथमिकता आम नागरिकों को त्वरित राहत प्रदान करना है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा में उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जनता के साथ संवाद बनाए रखें और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक एवं जवाबदेह दृष्टिकोण अपनाएं, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बन सके।

मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कुल 16 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 13

का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि तीन मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान गुरुग्राम की सड़क व्यवस्था और आधारभूत ढांचे से संबंधित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में लक्ष्मण विहार निवासी एक महिला शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी व्यथा रखते हुए बताया कि एक फाइनेंसर ने ऋण के लेनदेन के दौरान विश्वास का दुरुपयोग करते हुए धोखाधड़ी से उनके मकान की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। कार्यकर्ता ने कहा कि वह बकाया राशि लौटाने के लिए तैयार है, लेकिन इसके बावजूद फाइनेंसर मकान पर कब्जा बनाए हुए है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए। बैठक में सेक्टर-4 निवासी एक शिकायतकर्ता ने क्षेत्र में जलभराव, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का मुद्दा मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर-4 में मौजूद सभी प्रमुख समस्याओं का व्यापक सर्वेक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन को भी निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को बंद करने से पूर्व शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित की जाए।

जींद में जल संरक्षण अभियानः दर्जनों अवैध पेयजल कनेक्शन काटे गए

एजेंसी

जींद। जल संरक्षण अभियान के तहत जींद जिले में गांव जजवान सहित 10 गांवों में अभियान चलाया गया, जिसमें दर्जनों अवैध पेयजल कनेक्शन काटे गए। जानकारी देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि गांव जाजवान में कनिष्ठ अभियंता संजीत कुमार की अगुवाई में जल संरक्षण अभियान चलाया गया। ब्लाक नरवाना में खंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में गांव खरल, उचाना में कुशल शर्मा की अध्यक्षता में गांव काब्रछा, जुलाना में सोमलता सैनी की अध्यक्षता में गांव जुलाना, पिल्लूखेड़ा में खंड सम्यक सुरेंद्र दुग्गल की अध्यक्षता में गांव ललित खेड़ा में जल संरक्षण अभियान चलाया गया। मताना ने बताया कि इस अभियान के तहत गांव जाजवान में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीम ने पेयजल आपूर्ति चलवा कर घर-घर जाकर पेयजल के कनेक्शन चेक किए। इस मौके पर विभाग की टीम को कई कनेक्शन खुले मिले, जिससे पेयजल की बर्बादी हो रही थी। विभाग की टीम ने उन लोगों को नोटिस दिया और उन्हें समझाया ताकि वह अगले दो दिन में अपने नलों पर टेप लगवा लें। विभाग की टीम ने इसके बाद गांव ढांडाखेड़ी के लिए जा रही सप्लाई पर लगाए गए अवैध कनेक्शन भी चैक किए। अवैध कनैक्शन को कटवाया गया। इस विजिट के दौरान कई उपभोक्ताओं द्वारा पेयजल को खेती व सब्जी के लिए उपयोग किया जा रहा था, ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस दिया गया। रणधीर मताना ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल संरक्षण अभियान चलाने का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक व्यक्ति को मिले 55 लीटर शुद्ध पेयजल करवाना है। इसके लिए विभाग की संयुक्त टीम अभियान के तहत गांव में लीकेज को मौके पर ठीक करवा रही है और अस्वच्छ कनैक्शन को भी पानी की निकासी की नाली से बाहर किए जा रहे है।

पलवल में बस स्टाप पर नहीं रोकी बस तो खेल मंत्री ने लगाई फटकार,बस वापस भेजी

एजेंसी

पलवल। पलवल विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर निकले हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने रोडवेज बस के चालक और परिचालक की लापरवाही पर नाराजगी जताई। बस स्टाप पर यात्रियों को छोड़कर आगे बढ़ने पर मंत्री ने बस को रुकवाया और चालक-परिचालक को फटकार लगाते हुए बस को वापस भेजकर यात्रियों को बैठाने के निर्देश दिए।

मिली जानकारी के अनुसार पलवल-बड़ौली मार्ग पर हरियाणा रोडवेज की एक बस हसनपुर से पलवल की ओर आ रही थी। इसी दौरान एक बस स्टाप पर कुछ महिलाएं और अन्य यात्री बस का इंतजार कर रहे थे। यात्रियों ने बस को रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक बस को बिना रोके आगे बढ़ गया। जानकारी मिलने पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने अपना काफिला रुकवाया और बस का पीछा किया। कुछ दूरी पर बस को रुकवाकर उन्होंने चालक और परिचालक से जवाब-तलब किया।

मंत्री ने दोनों कर्मचारियों को यात्रियों की सुविधा के प्रति संवेदनशील रहने की हिदायत देते हुए भविष्य में ऐसी लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी। मंत्री के निर्देश पर बस को वापस उसी बस स्टाप पर भेजा गया, जहां इंतजार कर रहे यात्रियों को बस में बैठाया गया। इसके बाद बस को पलवल के लिए रवाना किया गया। खेल मंत्री ने कहा कि आम जनता की सुविधा सर्वोपरि है और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

नायब सरकार में विकास का पहिया पूरी रफ्तार पर : डिप्टी स्पीकर

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि नायब सरकार के कार्यकाल में जींद में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। जिले में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिससे आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। सरकार विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा अपने आवास पर आयोजित जनता दरबार में क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों और शहर से आए नागरिकों की शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कई

समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। जबकि शेष मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रही है। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, सिंचाई तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक विकास कार्य करवाए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तर्ज पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गांवों में सड़क निर्माण, गलियों का सुदृढ़ीकरण, जल निकासी व्यवस्थाए सामुदायिक भवनों तथा अन्य जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। जनता दरबार में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं मांगें डिप्टी स्पीकर के समक्ष रखी। डा. मिड्ढा ने सभी को आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा और विकास कार्यों की गति निरंतर बनाए रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है हरियाणा सुपर 100 : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

कुरुक्षेत्र : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जेईई एडवांस्ड में हरियाणा सुपर 100 संस्थान के 90 बच्चों का चयन होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बधाई व शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हरियाणा सुपर 100 महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इस संस्थान की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समीक्षा करते हैं। हरियाणा सुपर 100 पूरा रेजिडेंशियल प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च हरियाणा सरकार और विकल्प संस्थान मिलकर करते हैं। बच्चों के परिजनों को अपनी तरफ से कोई खर्च नहीं करना होता। उन्होंने उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों, संस्थान के स्टाफ और परिजनों को शुभकामनाएं व बधाई दी। उपयुक्त विश्राम कुमार मीणा हरियाणा सुपर हंड्रेड संस्थान बरना में आयोजित परितोष कार्यक्रम में बोल रहे थे। जेईई एडवांस्ड में चयनित विद्यार्थियों और उनके बच्चों को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक, हरियाणा सुपर 100 संस्थान के निदेशक नवीन मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि आज बहुत ही खुशी का दिन है हरियाणा सुपर 100 संस्थान में सरकार और विकल्प संस्थान के सहयोग से निशुल्क तैयारी करने वाले 90 बच्चों ने जेईई एडवांस्ड की परीक्षा को पास किया है। इससे पहले मैथ की परीक्षा में 313 में से 235 बच्चे पास हुए थे, आज उन 235 बच्चों में से 90 ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सुपर 100 संस्थान से अब तक करीब 200 बच्चे आईआईटी और 60 बच्चे एमबीबीएस कर रहे हैं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि 90 बच्चों में से हिसार के 16, फतेहाबाद के 9, फरीदाबाद के 8, जींद के 8, कैथल के 6, गुरुग्राम से 6, महेंद्रगढ़ के 4, रेवाड़ी के 6, भिवानी के चार, कुरुक्षेत्र के चार, पलवल से 4, चरखी दादरी से दो झज्जर से दो, सोनीपत से दो, अंबाला से एक, करनाल से एक, मेवात से दो, पंचकूला से दो, सिरसा से दो, यमुनानगर से एक बच्चे ने क्वालीफाई किया। इनमें से जनरल कैटेगिरी के 24, ओबीसी केटेगिरी के 29, एससी केटेगिरी से 37, महिला कैटेगरी से 35 बच्चे शामिल है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए सरकार ने सुपर 100 योजना चलाई हुई है। इस संस्थान में सरकारी स्कूलों के 10वीं पास मेधावी छात्रों को जेईई और एनईईटी की मुफ्त कोचिंग प्रदान की जा रही है। इसमें 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक और प्रवेश परीक्षा लेवल-1 और लेवल-2 उत्तीर्ण करने के बाद ही सुपर-100 के लिए बच्चों का चयन होता है।

हिसार में इनेलो ने महंगाई के खिलाफ किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

हिसार। इंडियन नेशनल लोकदल ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, बिजली किल्लत, आसमान छूते तेल के दामों और घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत एचएयू के गेट नंबर 4 के पास स्थित पार्क में जिलेभर के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों ने पहुंचना शुरू किया। जिला अध्यक्ष सतपाल काजला के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन के दौरान नारों और सरकार विरोधी तख्तियों के साथ यह रोष मार्च पार्क से शुरू होकर सीधे लघु सचिवालय पहुंचा, जहां इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रोफेसर संपत सिंह ने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. संपत सिंह और जिला अध्यक्ष सतपाल काजला ने कहा कि इस प्रदर्शन में जिले के सभी हलकों से उमड़ी भारी भीड़ यह साबित करती है कि जनता भाजपा की कुनीतियों से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। बिजली के भारी-भरकम बिलों और अघोषित कटों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी करके सरकार आम जनता की जेब पर सरेआम डकैती डाल रही है। नेताओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, अगर सरकार ने तुरंत महंगाई पर लगाम नहीं लगाई और जनविरोधी फैसले वापस नहीं लिए, तो इनेलो इस आंदोलन को और उग्र करेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपरोक्त के अलावा छत्तर सिंह, दलबीर किरमारा, राजीव राजा, साहिल दीप कसवां, तेलूराम, सत्यवान, चरण सिंह, चेत राम ढाका, रामचन्द्र बेनीवाल, जंग बहादुर, सुभाष टांक, सत्यनारायण मंगाली, राजू तलवंडी, सूरज कालीरावना, मांगेराम न्योली, देवी लाल, कृष्ण किरमारा, सूखी मंगाली, सीताराम जाखड़, भूप सिंह मूंड, देव दहिया, निहाल सिंह सिवानी, अनुराग कुंडू, बलबीर सिहाग व जिला प्रवक्ता विनोद कसवां एडवोकेट सहित सभी हलकों के प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

हरियाणा में बिजली आपूर्ति को लेकर पूरी तैयारी, उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी - अनिल विज

प्रदेश के हर उपभोक्ता को मिलेगी निर्बाध बिजली, विभाग का पूरा तंत्र अलर्ट मोड पर - अनिल विज

गुरुग्राम की तकनीकी खराबी दो घंटे में हुई दुरुस्त, बिजली व्यवस्था पूरी तरह सामान्य - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे बिजली की पीक डिमांड बढ़ रही है, बिजली विभाग सफलतापूर्वक उसका सामना कर रहा है और राज्य की संपूर्ण बिजली मांग को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश के उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए हैं।

श्री विज आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा

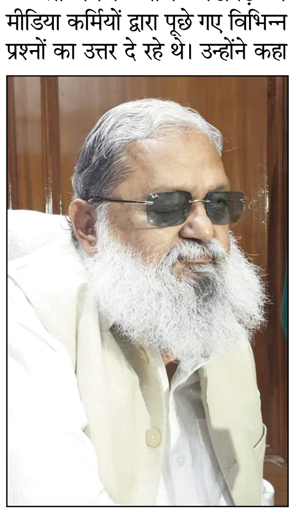

कि हरियाणा बिजली विभाग का प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। विभाग ने बिजली आपूर्ति प्रणाली को मजबूत और दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं तथा निरंतर सुधार की प्रक्रिया भी जारी है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

गुरुग्राम की घटना पर त्वरित कार्रवाई की गई - विज

गुरुग्राम में हाल ही में हुए हादसे के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि यह एक तकनीकी घटना थी, जिस पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना के बाद मशीनरी को लगभग दो घंटे के भीतर ठीक कर लिया गया था और बिजली व्यवस्था को शीघ्र सामान्य कर दिया गया था।

अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं - विज

अधिकारियों के कार्य व्यवहार को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि वह किसी की 'क्लास' नहीं लेते, बल्कि आवश्यकतानुसार अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और सरकार की नीतियों एवं जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं।

पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनेगी, क्योंकि जनता विकास और काम करने वाली सरकार चाहती है -ऊर्जा मंत्री अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने विश्वास जताते हुए कहा कि आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग भी उसी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जैसी सोच देश के अन्य राज्यों-दिल्ली, बिहार, हरियाणा और पश्चिम बंगाल की जनता की है। उन्होंने कहा कि देश की जनता यह मान चुकी है कि विकास और जनहित के लिए काम करने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। श्री विज आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि देशभर में जनता का विश्वास भाजपा के प्रति लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक-एक करके विपक्ष के मजबूत गढ़ कमजोर पड़ते जा रहे हैं और इसी क्रम में पंजाब में भी भाजपा को जनता का भरपूर समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता भी विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व चाहती है, इसलिए वहां भाजपा सरकार बनने की पूरी संभावना है। पश्चिम बंगाल में ममता बैनर्जी के भतीजे अभिषेक बैनर्जी के साथ हुई हालिया घटना को लेकर पूछे गए प्रश्न पर श्री विज ने कहा कि मामले में विभिन्न प्रकार की बातें सामने आ रही हैं कि घटना के पीछे कौन लोग हैं। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां अपना कार्य कर रही हैं और जांच पूरी होने के बाद तथ्य स्वयं सामने आ जाएंगे। इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाना चाहिए। राहुल गांधी द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर की गई टिप्पणी के संबंध में पूछे गए सवाल पर श्री विज ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के बयान अक्सर बदलते रहते हैं और वे अपने कथनों पर स्थिर नहीं रहते। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी पराजयों के कारण कांग्रेस नेतृत्व असमंजस की स्थिति में दिखाई देता है, जिसके कारण उनके बयानों में भी स्पष्टता नहीं रहती।

महेश जोशी बने हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष, संभाला पदभार

एजेंसी

थानेसर : हरियाणा की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रहे महेश जोशी ने हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। कुरुक्षेत्र स्थित कला कीर्ति भवन में आयोजित समारोह के दौरान उन्होंने विधिवत रूप से कार्यभार संभाला। इस अवसर पर कला, शिक्षा, सामाजिक एवं प्रशासनिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और उन्होंने महेश जोशी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।गौरतलब है कि कला और संस्कृति के क्षेत्र के अनुभवी तथा मूल रूप से महेंद्रगढ़ जिले के निवासी महेश जोशी हरियाणवी कला, संस्कृति, लोक साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं के गहरे जानकार हैं। कला परिषद में उनकी यह नियुक्ति उनके लंबे अनुभव और सांस्कृतिक क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की स्वाभाविक पहचान के रूप में देखी जा रही है। महेश जोशी इससे पहले हरियाणा कला परिषद में अतिरिक्त मुख्य सलाहकार और मुख्य सलाहकार जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके

अलावा वे गुरुग्राम जोन के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। अपने पूर्व कार्यकाल में उन्होंने परिषद की विभिन्न योजनाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान की। उनके नेतृत्व में परिषद ने अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। पदग्रहण समारोह के दौरान हरियाणा पशुधन बोर्ड के अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर ने बधाई देते हुए कहा कि महेश जोशी की प्रशासनिक क्षमता, सांस्कृतिक समझ और कलाकारों से सीधा संवाद स्थापित करने की विशेष योग्यता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति को कला और संस्कृति जगत में सकारात्मक दृष्टि से देखा जा रहा है। महेश जोशी के नेतृत्व में हरियाणा की संस्कृति देश और दुनिया में लगातार अपनी पहचान बनाएगी तथा लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक साहित्य, रंगमंच और पारंपरिक कलाओं के माध्यम से हरियाणा कला परिषद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करेगी। हरियाणवी संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प। पदभार ग्रहण करने के बाद महेश जोशी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे।

सोमनाथ धाम की यात्रा के लिए बुजुर्ग को देना होगा मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

कुरुक्षेत्रः उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को गुजरात स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाने के उद्देश्य से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 8 जून को कुरुक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। यात्रा के दौरान सभी लाभार्थियों को अपना मेडिकल सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा। इस विशेष ट्रेन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र लाभार्थी 06 जून तक सरल पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सरल

हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस यात्रा के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें। एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी हरियाणा का मूल निवासी हो तथा उसकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत जो वृद्ध जन पिछले 3 वर्ष के अंदर इस योजना का लाभ ले चुके हैं। वह इस योजना के तहत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर जाने के पात्र नहीं होंगे अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक नागरिक लघु सचिवालय के चतुर्थ तल स्थित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय (डीआईपीआरओ) में संपर्क कर सकते हैं।

विनिर्माण तीन महीने के उच्चतम पर, राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मई 2026 सकारात्मक रहा, विनिर्माण गतिविधियां तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, वहीं सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधन सूचकांक (पीएमआई) मई में 55 पर पहुंच गया, जो मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च का परिणाम है। कच्चे तेल में उछाल के कारण उपजी लागत के दबाव के बावजूद कंपनियों ने उत्पादन और कच्चे माल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। संशोधित आंकड़ों के अनुसार यह घाटा 15,58,492 करोड़ रुपये रहा, जबकि इस दौरान कुल राजस्व संग्रह 33.42 लाख करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बिजली की मांग बढ़ने के बावजूद कोल इंडिया का कोयला उत्पादन मई, 2026 में 5.61 करोड़ टन रहा। अप्रैल-मई की अवधि में कंपनी का कुल उत्पादन 10.6 फीसदी घट गया, जिसकी वजह कंपनी ने नहीं बताई।

सीएसपीटीसीएल आईपीओ की राह पर, आम निवेशकों के लिए खुलेंगे द्वार

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी (सीएसपीटीसीएल) जल्द ही अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। इसके जरिए कंपनी आम निवेशकों से पूंजी जुटाएगी। यह कदम सफल होने पर सीएसपीटीसीएल राज्य सरकार की पहली ऐसी कंपनी बन जाएगी, जिसके शेयर स्टॉक मार्केट में कारोबार के लिए उपलब्ध होंगे। आईपीओ का उद्देश्य कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, निवेशकों का व्यापक आधार तैयार करना और पूंजी जुटाना है। इसके बाद कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे, जिससे आम नागरिक भी कंपनी के विकास में भागीदार बन सकेंगे और मुनाफे पर लाभांश प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि देश की कई सरकारी और केंद्रीय ऊर्जा कंपनियां पहले से ही आईपीओ के जरिए पूंजी जुटा रही हैं। उन्होंने पुष्टि की कि छत्तीसगढ़ ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ लाने पर उच्च स्तर पर चर्चा चल रही है, जो शासन स्तर का मामला है। गौरतलब है कि पूर्व में छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने बॉन्ड जारी किए थे, पर उसके शेयरों में कारोबार नहीं होता।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 16 पैसे मजबूत होकर 95.03 पर पहुंच गया। भारत की मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बनने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति हालांकि अब भी वित्तीय बाजारों और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे अधिक है। रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.19 पर रहा।

आरबीआई जून एमपीसी में रेपो रेट को रख सकता है स्थिर, आउटलुक और आक्रामक होने की उम्मीद- एचएसबीसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाली जून मौद्रिक नीति कमेटी (एमसीसी) में रेपो रेट को स्थिर रख सकता है। वहीं, कमजोर रुपया और कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई में इजाफा होने की संभावना के चलते आउटलुक और अधिक आक्रामक होने की उम्मीद है। यह बयान एचएसबीसी में एक अर्थशास्त्री की ओर से दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट और मैक्रो स्ट्रैटजिस्ट प्रांजुल भंडारी का कहा कि इस मौद्रिक नीति में आरबीआई का महंगाई और अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर आने वाला अनुमान बताएगा कि नीति निर्माता कैसे इस ऊर्जा संकट को देख रहे हैं।

पिछले रिव्यू में केंद्रीय बैंक ने तेल की आधारभूत कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और वैकल्पिक परिदृश्य के रूप में 95 डॉलर का उपयोग किया था। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री का मानना है कि तेल की ऊंची कीमतों का अनुमान अब आरबीआई का आधार होगा, जिससे महंगाई का अनुमान पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से बढ़कर 5 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा। भंडारी ने कहा, ÷महंगाई बढ़ रही है, जो ब्याज दरों में वृद्धि का समर्थन करती है, जबकि विकास धीमा हो रहा है, जो ब्याज दरों में वृद्धि के खिलाफ तर्क देता है।÷ उन्होंने इसे ÷किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन स्थिति÷ भी बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की ऊंची कीमतें और संभावित अल नीनो डेवलपमेंट, महंगाई नियंत्रण, राजकोषीय घाटे और चालू खाते के लिए बाधा बन सकते हैं। केयरएज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान और हाल ही में खुदरा ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि थोक महंगाई में तीव्र वृद्धि से उपभोक्ता कीमतों पर इसका प्रभाव के तेजी से बढ़ने का खतरा है। महंगाई में मौजूदा उछाल आपूर्ति में अचानक आई कमी के कारण है, न कि मांग में वृद्धि के कारण।

श्री सीमेंट के 'टेक्निकल टॉक्स 2026' का सफल आयोजन

जयपुर ।

श्री सीमेंट लिमिटेड ने इंडियन कंक्रीट इंस्टिट्यूट (आईसीआई) के सहयोग से जयपुर में ÷श्री सीमेंट टेक्निकल टॉक्स 2026÷ का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के मुख्य अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रदीप गर्ग ने सतत निर्माण एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी विषय पर अपने विचार साझा किए, जबकि ए माथुर ने अर्बन ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट विषय पर महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉ. महेश सिंघल की विशेष उपस्थिति रही। श्री सीमेंट की ओर से अमिताभ सिहाग, गौतम चटर्जी, राजेश सिंघल, विनीत सिंह एवं नितिन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

ओला इलेक्ट्रिक क्यूआईपी के जरिए जुटाएगी पूंजी

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, घटती बिक्री और लगातार घाटे के बीच ओला इलेक्ट्रिक ने क्वो लिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए नई पूंजी जुटाने का फैसला किया है। कंपनी ने इसके लिए प्रति इक्विटी शेयर 37.74 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया है। ओला इलेक्ट्रिक ऐसे समय में यह फंड जुटा रही है, जब वह बिक्री में सुस्ती, बाजार हिस्सेदारी पर बढ़ते दबाव और लगातार घाटे जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के विस्तार और विनिर्माण योजनाओं को गति देना है। क्यूआईपी के माध्यम से कंपनी म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों जैसे बड़े संस्थागत निवेशकों से सीधे पूंजी जुटा सकेगी। इस पूंजी का उपयोग स्थानीय उत्पादन बढ़ाने, सप्लाई चेन पर नियंत्रण हासिल करने और बैटरी सेल व इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपने आक्रामक विस्तार की रणनीति को मजबूत करने में किया जाएगा। कंपनी ने हाल ही में सहायक कंपनियों में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा भी की थी।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार, कंपनियों को 12 रुपए प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली ।

पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,

एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम भी मार्च से अब तक 47 फीसदी से अधिक बढ़ चुके हैं, जिसमें हाल ही में 1 जून को 40 रुपये की वृद्धि भी शामिल है।

केंद्रीय कर्मचारियों को 63 फीसदी डीए जुलाई से, 3 फीसदी होगी बढ़ोतरी

सितंबर-अक्टूबर में घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। अनुमान है कि केंद्र सरकार उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा, जो जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा सितंबर या अक्टूबर माह में की जा सकती है। लेबर ब्यूरो की ओर से जारी नवीनतम महंगाई के आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ सकता है। अप्रैल 2026 के लिए जारी ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स डेटा 149.9 पर पहुंच गया है, जिसके आधार पर जून तक गणना 63 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। चूंकि डीए को आमतौर पर पूरे अंक में लागू किया जाता है, इसलिए जुलाई से 63 फीसदी डीए मिलने की पूरी संभावना है। इस बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की उम्मीद है। यदि घोषणा सितंबर में होती है, तो कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीनों का एरियर मिलेगा। वहीं अक्टूबर में ऐलान होने पर चार महीने (जुलाई से अक्टूबर) का एरियर देय होगा। उदाहरण के लिए, 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी की मासिक डीए में 540 रुपये की

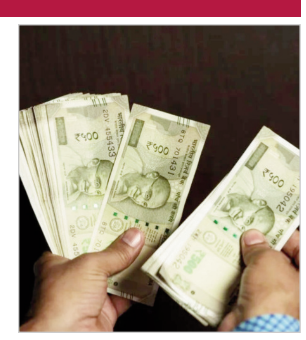

वृद्धि होगी, जिससे सितंबर में 1500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में 2000 रुपये से अधिक का एरियर मिलेगा।

ट्रांसरेल लाइटिंग को 575 करोड़ के नए ठेके, मजबूत हुई ऑर्डर बुक

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग ने हाल ही में 575 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल किए हैं। ये ठेके मुख्य रूप से पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी), सिविल निर्माण और पोल आपूर्ति क्षेत्रों से संबंधित हैं, जो कंपनी के बढ़ते कारोबार को दर्शाते हैं। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार इन नए ठेकों में एक बड़े ग्राहक के लिए 500 केवी एचवीडीसी लाइन का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों की आपूर्ति और विशेष सिविल निर्माण कार्य शामिल हैं। यह ट्रांसरेल लाइटिंग की विविध क्षमताओं का प्रमाण है। 31 मार्च तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 16,361 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और भविष्य की विकास संभावनाओं को उजागर करती है। मुंबई स्थित यह ईपीसी कंपनी मुख्य रूप से टीएंडडी क्षेत्र में सक्रिय है और वर्तमान में 63 देशों में अपनी सेवाएं दे रही है।

निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार, 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार इस समय पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी बिकवाली जैसे कई दबावों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्योरिटीज ने भारत की आर्थिक बुनियाद पर अपना भरोसा कायम रखा है।

ब्रोकरेज ने दिसंबर 2026 के लिए निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार रखा है और लंबी अवधि के निवेशकों के लिए 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी की है।

मई 2026 के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा; जहां निफ्टी 50 बैंकिंग, आईटी और तेल शेयरों में कमजोरी से दबाव में रहा, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने रिकॉर्ड ऊंचाई छूकर बेहतर प्रदर्शन किया। निवेशकों का रुझान इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स, डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टरों की ओर बढ़ा है। मार्च तिमाही के नतीजे सकारात्मक रहे, निफ्टी 500 कंपनियों की आय में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रबंधन` वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में मांग सुधार को लेकर सतर्क रूप से आशावादी है, जिसे सरकारी खर्च और निजी निवेश से बल मिलेगा। हालांकि, एक्सिस सिक्योरिटीज ने बढ़ती महंगाई को बाजार के लिए सबसे बड़ा जोखिम बताया है। पश्चिम एशिया तनाव से कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार डीजल की कीमतों में वृद्धि परिवहन, कृषि और लॉजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिससे महं

कोका-कोला भारतीय बॉटलिंग इकाई का आईपीओ लाएगी, 2027 में सूचीबद्धता की तैयारी

एचसीसीएच में हिस्सेदारी बेचने पर भी विचार, वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा

नई दिल्ली ।

वैश्विक पेय पदार्थ कंपनी कोका-कोला 2027 तक अपनी भारतीय बॉटलिंग इकाई की मूल कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीएच) को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही है।

इसके साथ ही कंपनी एचसीसीएच में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर भी मंथन कर रही है।

यह कदम कोका-कोला की वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने बताया कि वह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की प्रारंभिक तैयारियां कर रही है, जो बाजार की स्थितियों और नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा।

एचसीसीएच, भारत में कोका-कोला के सबसे बड़े बॉटलिंग व्यवसाय, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) की मूल कंपनी है। भारत कोका-कोला के लिए दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। यह संभावित सूचीकरण कंपनी की वैश्विक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह अपने बॉटलिंग कारोबार में हिस्सेदारी घटा रही है। लगभग एक साल पहले ही कोका-कोला ने एचसीसीएच में अपनी 40त्र हिस्सेदारी जुबिलेंट भारतीय ग्रुप को बेची थी।

एचसीसीबी की स्थापना 1997 में हुई थी और यह देशभर में 14 बॉटलिंग संयंत्र संचालित करती है। कंपनी भारत में कोका-कोला, थम्स अप, स्प्राइट, माजा, किनले और फैंटा जैसे कई लोकप्रिय उत्पाद बनाती एवं बेचती है।

एक परिवार, एक गैस कनेक्शन का नियम लागू; अतिरिक्त कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

पीएनजी यूजर्स को 30 दिन में एलपीजी स्टेटस करना होगा स्पष्ट

नई दिल्ली ।

देशभर में एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं के लिए गैस कनेक्शन नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब अगर किसी उपभोक्ता ने अपने घर में पीएनजी कनेक्शन लगवाया है, तो उसे 30 दिनों के भीतर अपने एलपीजी कनेक्शन की स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा अतिरिक्त कनेक्शनों पर कार्रवाई की जा सकती है। यह नया नियम पारदर्शिता लाने और गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एक ही रसोई का उपयोग करने वाले परिवार के लिए केवल एक ही घरेलू गैस कनेक्शन (एलपीजी या पीएनजी) पर्याप्त माना जाएगा। जांच के दौरान एक ही परिवार के नाम पर एक से अधिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन पाए जाने पर अतिरिक्त कनेक्शन को नियमों के तहत हटाया जा सकता है, जिससे गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। संबंधित एजेंसियां ऐसे मामलों की जांच करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कनेक्शन को बंद करेंगी। हालांकि, सरकार ने उपभोक्ताओं को कुछ राहतें भी दी हैं। जो उपभोक्ता स्वेच्छा से अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करेंगे, उन्हें मौजूदा कनेक्शन को डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदलने का विकल्प मिलेगा। साथ ही एलपीजी कनेक्शन बंद करने पर ट्रांसफर वाउचर दिया जाएगा, जिससे भविष्य में पीएनजी रहित क्षेत्रों में जाने पर एलपीजी कनेक्शन दोबारा सक्रिय करवाना आसान होगा। यह सुविधा खासकर नौकरीपेशा, छात्रों, किराएदारों और प्रवासी परिवारों के लिए फायदेमंद होगी, जिससे स्थान बदलने की स्थिति में औपचारिकताएं सरल होंगी और गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी।

खनन कंपनियों से 1000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूलेगी झारखंड सरकार

धनबाद में खनन से सरकारी जमीन के उपयोग पर बड़ा खुलासा

धनबाद ।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद परिसदन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) समेत अन्य खनन कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व वन भूमि पर अवैध खनन और ओवरबर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की। इस समीक्षा के बाद समिति ने खुलासा किया कि इन कंपनियों ने बिना अनुमति सरकारी भूमि का उपयोग किया है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। समिति के सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि विभिन्न कोल कंपनियों ने रैयतों और सरकारी जमीन का उपयोग किया है। बीसीसीएल ने सरकारी जमीन के उपयोग के लिए पहले ही 220 करोड़ रुपए राजस्व जमा करा दिए हैं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और ईसीएल ने भी सरकारी जमीन के इस्तेमाल की बात स्वीकार करते हुए राजस्व भुगतान पर सहमति दी है, जिससे राज्य सरकार को कुल 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलेगा। महतो ने जोर दिया कि समिति के आकलन से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नौ महीने पहले सिंदरी विधायक द्वारा ओवरबर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाए जाने के बाद ही इस समिति का गठन किया गया था। समिति यह सुनिश्चित कर रही है कि जिन रैयतों की जमीन खनन के लिए उपयोग की गई है, उन्हें पूरा मुआवजा मिले।

इसके लिए जिला प्रशासन और बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में क्षेत्र की अन्य समस्याओं और विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वाताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

संपादकीय

विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्राफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मनःस्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दशार्ती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

विश्व साइकिल दिवसः प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है?

प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर।

कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है।

अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

हाउस की उपसमिति के सामने ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' विदेश नीति का बचाव करेंगे मार्को रुबियो

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मंगलवार को हाउस की उपसमिति के सामने विदेश विभाग के बजट प्रस्ताव को पेश करेंगे। इस दौरान वह विदेश मदद, कूटनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा में किए गए बड़े बदलावों का बचाव करते हुए प्रतिनिधियों को यह बताने वाले हैं कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी विदेश नीति को इस तरह बदला है कि उसका मुख्य फोकस अमेरिका के अपने हितों को आगे बढ़ाना हो गया है। आईएएनएस को पहले से मिले उनके तैयार भाषण के अनुसार, रुबियो हाउस नेशनल सिक्योरिटी, डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और रिलेटेड प्रोग्राम्स पर हाउस एप्रोप्रिएशन्स उपसमिति के सामने यह तर्क देंगे कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तहत अमेरिकी विदेश नीति अब फिर से अपने मूल मकसद पर लौट आई है। यानी अमेरिकी लोगों, देश, संप्रभुता, सभ्यता और भविष्य की रक्षा करना। यह पूरा बयान ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति का एक मजबूत बचाव पेश करता है, जो ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के लगभग डेढ़ साल बाद दिया जा रहा है। रुबियो का कहना है कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य और आर्थिक शक्ति बना हुआ है, लेकिन इस ताकत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने देश के हितों को आगे बढ़ाने के लिए होना चाहिए।

सीमा अतिक्रमण वाले बयान पर बालेन्द्र शाह अडिग, जरूरत पड़ी तो संसद में देंगे जवाब

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह विपक्षी दलों के माफी मांगने और बयान वापस लेने की मांग को ठुकराते हुए अपनी बात पर कायम हैं। उनकी तरफ से कहा गया है कि संसद में दिया गया बयान सोच समझकर ही दिया गया है। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने कहा है कि नेपाल-भारत सीमा विवाद समेत विभिन्न मुद्दों पर आवश्यकता पड़ने पर प्रधानमंत्री बालेन शाह दोबारा संसद में उपस्थित होकर जवाब देने के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पोखरेल ने कहा कि प्रधानमंत्री संसद के प्रति जवाबदेह हैं। वह पहले भी सदन में उपस्थित होकर जवाब दे चुके हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को संवाद और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के पक्ष में है तथा इस दिशा में दोनों देशों के बीच स्थापित प्रक्रियाएं सक्रिय हैं। सरकारी प्रवक्ता पोखरेल ने प्रधानमंत्री के बयान का बचाव करते हुए कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां वर्तमान में भारत के उपयोग में लाई जा रही भूमि नेपाल की सीमा में पड़ सकती है, जबकि कुछ ऐसे भारतीय क्षेत्र भी हो सकते हैं, जिनका उपयोग नेपाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसी वास्तविकता का उल्लेख किया था। पोखरेल के अनुसार यह जानकारी नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद के समाधान के लिए गठित द्विपक्षीय तंत्र और कूटनीतिक प्रक्रियाओं के दौरान सामने आई थी। उन्होंने बताया कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि यह जानकारी सुनकर उन्हें आश्चर्य हुआ था।

काठमांडू के होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, ऑनलाइन ठगी में थे सक्रिय

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के अपराध अनुसंधान कार्यालय की एक टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी करके एक होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सभी बांग्लादेशी नागरिक नेपाल में पर्यटक (विजिट) वीजा पर आए थे, लेकिन उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह सभी महिलाओं के नाम और पहचान का उपयोग करते हुए फर्जी फेसबुक अकाउंट संचालित कर रहे थे। इन खातों के माध्यम से वे बांग्लादेश और भारत के नागरिकों से संपर्क स्थापित करते थे। पुलिस को आशंका है कि उनका संबंध ऑनलाइन ठगी तथा अन्य अवैध गतिविधियों से हो सकता है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से विभिन्न डिजिटल उपकरण और अन्य संबंधित सामग्री भी बरामद की है। गिरफ्तार सभी बांग्लादेशी नागरिकों को आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए नेपाल अध्यागमन विभाग को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और उनकी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई स्थानों पर रूसी हवाई हमला, 10 की मौत, 100 घायल

कीव (यूक्रेन)। रूस ने सोमवार रात से लेकर मंगलवार सुबह तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर देश के अन्य हिस्सों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए। हमलों में कीव में चार और सेंट्रल शहर नीप्रो में छह लोगों की जान चली गई। रूस ने मिसाइल और ड्रोन से राजधानी को निशाना बनाया। हमले में अनेक रिहायशी और वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। आग लगने से कई कारें जल गईं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल हमले की चेतावनी दी। इसके कुछ देर बाद राजधानी कीव में लगातार कई धमाके हुए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि यह बहुत बड़ा हमला है। क्लिट्स्को के मुताबिक, पोडिल्स्की जिले में एक बहुमंजिला इमारत के मलबे में लोग अभी भी फंसे हुए हैं। कीव शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख टिमुर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि मलबे में कुछ लोग फंसे हुए हैं। कीव के रीजनल गवर्नर, मायकोला कलाश्निक ने कहा, पूरी रात दुश्मन ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करके कीव इलाके पर बड़े हमले किए।

क्षेत्रीय तनाव कम करने को लेकर कतर के पीएम ने अराघची से फोन पर की बात

एजेंसी
दोहा । कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। यह जानकारी कतर के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) जारी एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों के साथ-साथ लेबनान की ताजा स्थिति पर भी बात की। समाचार एजेंसी स?िन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अल-थानी ने कहा कि कतर इस संकट का समाधान निकालने के लिए एक व्यापक समझौते का समर्थन करता है। उन्होंने सभी पक्षों से अपील की कि वे मध्यस्थता की कोशिशों में सकारात्मक तरीके से भाग लें, ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता

लाई जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता एक बुनियादी सिद्धांत है और इससे किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज स?ट्रेट को बंद करना या उसे दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करना स्थिति को और गंभीर बना सकता है और क्षेत्र के देशों के महत्वपूर्ण हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। कतर के प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान बातचीत और कूटनीतिक तरीकों से ही निकाला जाना चाहिए, ताकि तनाव और न बढ़े। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता को आगे बढ़ाने और खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशें जारी हैं। होर्मुज स?ट्रेट में समुद्री सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, क्योंकि यह दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस बीच, ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने इजरायल को चेतावनी दी कि वह लेबनान की राजधानी बेरूत और उसके दक्षिणी इलाके दाहियेह पर बमबारी न करे। एक बयान में सैन्य कमान ने कहा कि अगर इजरायल अपने हमले जारी रखता है, तो उत्तरी इजरायल और कब्जे वाले फि?लिस्तीनी क्षेत्रों में मौजूद सैन्य बस्तियों के लोगों को वहां से निकल जाना चाहिए। बयान में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया गया कि वे बेरूत और दाहियेह पर हमले की धमकी देकर पश्चिम एशिया में अपनी 'हानिकारक गतिविधियां' जारी रखे हुए हैं।

मेक्सिको का यूएसएमसीए समीक्षा में अमेरिका से टैरिफ खत्म करने पर रहेगा जोर: मंत्री मार्सेलो

एजेंसी
मेक्सिको सिटी । मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड ने कहा है कि मेक्सिको, उत्तरी अमेरिका के त्रिपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा प्रक्रिया के दौरान अमेरिका पर दबाव बनाएगा कि वह मौजूदा टैरिफ को खत्म करे। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने एक कार्यक्रम में बताया कि पिछले हफ्ते अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) की औपचारिक समीक्षा के पहले दौर की बातचीत के बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कई सुझाव रखे हैं। एब्रार्ड ने पत्रकारों से कहा, 'अमेरिका की तरफ से कई तरह के प्रस्ताव आए हैं, जिनमें प्रोडक्ट कंटेंट, 'रूल्स ऑफ ओरिजिन', तीसरे देशों से जुड़े नियम और अन्य मुद्दे शामिल हैं।' उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और आर्थिक सुरक्षा जैसे विषयों का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका वैश्विक व्यापार व्यवस्था में एक 'बड़ा बदलाव' कर रहा है, जिसमें यूएसएमसीए भी शामिल है। उनके अनुसार, अमेरिका अब ऐसी नीति अपना रहा है जिसमें अलग-अलग देशों से आने वाले सामान पर अलग-अलग टैरिफ लगाए जा रहे हैं। मेक्सिकन अधिकारियों का कहना है कि यह तरीका पिछले कई दशकों से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिस्टम से काफी अलग है, खासकर मेक्सिको और कनाडा जैसे साझेदार देशों के लिए। एब्रार्ड ने कहा, 'अभी अमेरिका एक ऐसा सिस्टम बना रहा है जिसमें अलग-अलग देशों को अलग-अलग टैरिफ देना होगा।

किम जोंग-उन ने पार्टी स्कूल को बताया 'रणनीतिक किला', 80वीं वर्षगांठ पर किया दौरा

एजेंसी
सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया (डब्ल्यूपीके) के एक अहम राजनीतिक स्कूल का दौरा किया। यह दौरा उस स्कूल की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर किया गया। उन्होंने इस स्कूल को पार्टी का 'रणनीतिक किला' बताया, जो पार्टी के अस्तित्व को बनाए रखने में मदद करता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम जोंग-उन एक दिन पहले पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ डब्ल्यूपीके के 'सेंट्रल कैडर्स ट्रेनिंग स्कूल' में गए थे। यह उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा राजनीतिक शिक्षा संस्थान है, जहां पार्टी के अधिकारियों को तैयार और प्रशिक्षित किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क?िम ने अपने भाषण में कहा कि यह स्कूल अब अपने 'पवित्र मूल नाम' को और मजबूत कर रहा है, जो पार्टी के अस्तित्व और विकास की गारंटी देने वाला अहम किला बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा अधिकारियों को पार्टी की विचारधारा ठीक से सिखाना बहुत जरूरी है, क्योंकि नई पीढ़ी के कुछ लोगों में पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा की कमी हो सकती है। किम ने जोर दिया कि उत्तर कोरिया की 'जन-केंद्रित नीति' समय बदलने के बावजूद नहीं बदलेगी। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि 'जन-विरोधी काम' जैसे सत्ता का दुरुपयोग, नौकरशाही और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं भी सामने आई हैं। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, दौरे के बाद उन्होंने स्कूल में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच भी देखा। यह मैच उत्तर कोरिया की अंडर-17 महिला टीम और क्लब टीम नेगोह्यांग के बीच खेला गया। यह कार्यक्रम स्कूल की सालगिरह के जश्न के तौर

पर रखा गया था। नेगोह्यांग महिला एफसी ने पिछले महीने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) महिला चैंपियंस लीग के लिए दक्षिण कोरिया का दौरा किया था और शीर्ष एशियाई महिला फुटबॉल खिताब जीता था। उत्तर कोरिया की यू-17 महिला फुटबॉल टीम ने मई में एएफसी यू-17 महिला एशियाई कप जीता था।मैच से पहले किम ने खिलाड़ियों से गर्मजोशी से मुलाकात की, उन्हें 'देश की भरोसेमंद बेटियां' कहा और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट बैंक में सेटलर हिंसा को लेकर तीन इजरायली व्यक्तियों और चार संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी
कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मंगलवार को तीन इजरायली व्यक्तियों और चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ती सेटलर हिंसा के जवाब में उठाया गया है। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने एक बयान में कहा कि वेस्ट बैंक में सेटलर हिंसा इजरायल की सुरक्षा और दुनिया में उसकी छवि दोनों को नुकसान पहुंचाती है। समाचार एजेंसी के अनुसार, वोंग ने बताया कि इन व्यक्तियों और संस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई लोग उन्हें कोई पैसा या संपत्ति नहीं दे सकेंगे। साथ ही इन व्यक्तियों के ऑस्ट्रेलिया आने पर भी रोक लगा दी जाएगी।

वोंग ने कहा, 'जिन संस्थाओं को सूची में शामिल किया गया है, उनमें ऐसे कृषि आउटपोस्ट भी हैं जो सेटलर हिंसा के केंद्र के रूप में काम करते हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'सेटलर हिंसा का इस्तेमाल फि?लिस्तीनियों को उनके घरों से हटाने और बस्ती विस्तार को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें संपत्ति का नुकसान, परिवारों को जबरन हटाना, मारपीट, यौन हिंसा और यातना शामिल हैं, जिससे गंभीर चोटें और मौतें तक होती हैं। '

वोंग ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने इस कदम में न्यूजीलैंड सहित अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि ये प्रतिबंध इजरायल और फि?लिस्तीन दोनों की सुरक्षा और भविष्य के प्रति ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मई में ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, नॉर्वे, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के नेताओं के साथ मिलकर वेस्ट बैंक में बढ़ती इजरायली बस्ती गतिविधियों को रोकने की अपील की थी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि वेस्ट बैंक की स्थिति 'काफी बिगड़ चुकी है' और सेटलर हिंसा बहुत ज़्यादा हो गई है। नेताओं ने कहा कि वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अवैध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ई-1 इलाके में निर्माण से वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंट जाएगा और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन होगा।

उन्होंने कंपनियों से अपील की कि वे ई-1 या अन्य बस्ती विकास परियोजनाओं के निर्माण टेंडर में भाग न लें, क्योंकि इससे कानूनी और प्रतिष्ठा से जुड़े जोखिम हो सकते हैं।

इस बयान में दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन दोहराया गया, जिसमें इजरायल और फिलिस्तीन को शांति और सुरक्षा के साथ एक-दूसरे के साथ रहने की बात कही गई है।

लेबनान का दावा : हिज्बुल्लाह ने इजरायल के साथ आपसी हमले रोकने के अमेरिकी प्रस्ताव को माना

एजेंसी
बेरूत । लेबनान के अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए बताया कि हिज्बुल्लाह ने अमेरिका के एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव में इजरायल के साथ 'आपसी हमलों को रोकने' की बात कही गई है। यह जानकारी लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान में दी गई, जिसमें लेबनान के अमेरिका स्थित दूतावास का हवाला दिया गया है। यह बयान सोमवार (स्थानीय समय) को जारी किया गया। इसमें कहा गया कि यह पुष्टि उस फोन कॉल के बाद हुई, जो लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई थी। इस बातचीत में लेबनान की स्थिति और तनाव कम करने के प्रयासों पर चर्चा हुई। दूतावास के अनुसार, अमेरिकी प्रस्ताव में कहा गया है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले रोकेंगे। इस प्रस्ताव के तहत, बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर इजरायल के हवाई हमले रुक जाएंगे। बदले में हिज्बुल्लाह

इजरायल पर अपने हमले बंद करेगा। बाद में इस समझौते को पूरे लेबनान तक लागू करने की योजना है। दूतावास ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाद में अमेरिका में लेबनानी राजदूत नाडा हमदेह मौवाड को बताया कि उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस प्रस्ताव पर सहमति ले ली है। इसके बाद मौवाड ने यह जानकारी राष्ट्रपति आउन को दी, जिन्होंने आगे यह बात हिज्बुल्लाह तक पहुंचाई। बयान के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को होने वाली बातचीत में इस समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट किया कि ईरान ने इजरायल की लेबनान में कार्रवाई के विरोध में अमेरिका के साथ मध्यस्थों के जरिए होने वाली बातचीत रोक दी है।इसी दिन, इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि उन्होंने बेरूत के दहिये इलाके पर हमले के आदेश दिए हैं। यह इलाका हिज्बुल्लाह का गढ़ माना जाता है। यह कदम हिज्बुल्लाह की ओर से इजरायली सैन्य ठिकानों पर बढ़ते रॉकेट और ड्रोन हमलों के बाद उठाया गया। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बयान में कहा कि एक इजरायली सैन्य डॉक्टर की मौत हो गई और सात सैनिक घायल हुए, जब हिज्बुल्लाह की ओर से एक साथ दो विस्फोटक ड्रोन दागे गए।

दक्षिण कोरिया और कनाडा ने अंतरिक्ष और रक्षा साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी
सोल । दक्षिण कोरिया और कनाडा ने अंतरिक्ष और रक्षा जैसे उन्नत उद्योगों में अपनी साझेदारी को और व्यापक करने पर चर्चा की। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब सोल कनाडा की पनडुब्बी परियोजना हासिल करने की आखिरी कोशिश कर रहा है। दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और संसाधन मंत्रालय और कोरिया ट्रेड-इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (कोट्रा) ने (स्थानीय समय) को टोरंटो में एक बिजनेस राउंडटेबल आयोजित किया, जिसका मकसद कोरियाई और कनाडाई कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था। मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ कांग हून-सिक भी शामिल हुए, जो इस समय विशेष आर्थिक सहयोग के लिए दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि के रूप में कनाडा में हैं। उनके साथ उप उद्योग मंत्री मून शिन-हक, रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन के मंत्री ली योंग-चियोल और दोनों देशों के करीब 50 बिजनेस लीडर भी मौजूद थे। उच्च स्तरीय कोरियाई अधिकारियों की यह यात्रा कनाडा में इस बात का संकेत मानी जा रही है कि सोल, ओटावा की बड़ी पनडुब्बी खरीद परियोजना को जीतने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अभी दक्षिण कोरिया की हानवा ओशन कंपनी और एचडी हुंडई हैवी इंडस्ट्रीज का संयुक्त समूह जर्मनी की थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स से मुकाबला कर रहा है। यह लगभग 60 ट्रिलियन वॉन (करीब 39.7 अरब अमेरिकी डॉलर) की डील है। उम्मीद है कि कनाडा जून के अंत तक अपना पसंदीदा बोलीदाता चुन लेगा। बिजनेस राउंडटेबल के दौरान, हानवा ने दक्षिण कोरिया और कनाडा के बीच अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीके बताए, जबकि हुंडई मोटर कंपनी ने दोनों देशों के बीच हाइड्रोजन साझेदारी का अपना विजन पेश किया।

क्यूशू की ओर बढ़ रहा 'जांगमी' तूफान, ओकिनावा में दस से ज्यादा लोग घायल, सैकड़ों फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी
टोक्यो । ओकिनावा के पास भयंकर तबाही मचाने के बाद भीषण तूफान 'जांगमी' मंगलवार को जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू की ओर उत्तर दिशा में बढ़ रहा है। यह जानकारी जापान की मौसम एजेंसी ने दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि सुबह 7 बजे (स्थानीय समय) तक टाइफून 'जांगमी' ओशिमा द्वीप के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था। यह द्वीप कागोशिमा और ओकिनावा प्रांतों के बीच आता है। तूफान करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व दिशा में आगे बढ़ रहा है। स?िन्हुआ समाचार एजेंसी ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के हवाले से बताया कि ओकिनावा में तेज हवाओं की वजह से 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।

क्यूशू और आसपास के इलाकों में मंगलवार को 320 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा, शिंकनसेन बुलेट ट्रेनें भी प्रभावित हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि टोकाइडो लाइन पर मंगलवार रात से बुधवार तक रुकावटें आ सकती हैं। मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी दी है। इससे अमामी क्षेत्र में मंगलवार को और पश्चिमी जापान में मंगलवार से बुधवार तक भूस्खलन, निचले इलाकों में बाढ़ और नदियों के उफान का खतरा बताया गया है।

पिछले साल सितंबर में आए 'पेइपाह' की वजह से भी काफी नुकसान हुआ था। उसमें 24 लोग घायल हुए थे और शिजुओका प्रांत के चार शहरों में 40 घरों को नुकसान पहुंचा था।

माकिनोहारा शहर में लोगों ने बताया था कि तेज हवाओं से घरों की छतों की टाइलें उड़ गईं, बिजली के खंभे गिर गए और कई दूसरी घटनाएं हुईं। सरकारी प्रसारक एनएचके के अनुसार, सबसे ज्यादा नुकसान माकिनोहारा में हुआ था, जहां तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 20 लोगों को हल्की चोटें आईं।

इसके अलावा, याइजू शहर में एक कृषि ग्रीनहाउस तेज हवाओं में उड़ गया, जिससे 40 साल के एक किसान के चेहरे पर गंभीर चोट लग गई।

चूबू इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड कंपनी ने बताया कि मकिनोहारा और आसपास के इलाकों में करीब 17,000 घरों की बिजली कुछ समय के लिए चली गई थी। यह टॉर्नेडो और तेज हवाओं के असर की वजह से हुआ था।

आयोवा में गोलीबारी, सात की मौत

एजेंसी
न्यूयॉर्क । अमेरिका से एक बार फिर गोलीबारी की दहला देने वाली खबर आई। आयोवा के मस्कटाइन में अलग-अलग जगहों पर फायरिंग के बाद संदिग्ध बंदूकधारी समेत सात लोग मृत पाए गए। मस्कटाइन पुलिस ने बताया कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार (1712 जीएमटी) के हिसाब से दोपहर करीब 12:12 बजे एक घर में गोलीबारी की खबर मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां घर के अंदर चार लोगों को घायलावस्था में पाया। चारों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच कर्मियों ने 52 साल के आदमी की पहचान संदिग्ध के तौर पर की, जो अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था और बाद में रिवरफ्रंट ट्रेल पर घायल हालत में मिला। उसने खुद को गोली मारी थी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उसे भी मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों को दूसरे घर में एक और स्थानीय बाजार में एक और

शव मिला। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा, 'शुरुआती जांच से पता चलता है कि गोलीबारी घरेलू झगड़े की वजह से हुई थी। इस समय, माना जा रहा है कि सभी मृतक संदिग्ध के परिजन थे। ' इस पूरे मामले को लेकर जांच जारी है। इस घटना ने करीब डेढ़ महीने पहले अमेरिका के लुइसियाना में हुई फैमिलिसाइड को याद दिला दिया है, जिसे आपराधिक भाषा में 'फैमिलिसाइड' कहा जाता है यानी किसी व्यक्ति का अपने ही परिवार के कई सदस्यों की हत्या करना। इस प्रकार की घटनाएं अत्यंत दुर्लभ होती हैं, लेकिन जब भी घटती हैं, समाज को झकझोर देती हैं। लुइसियाना के श्रेवपोर्ट में 19 अप्रैल को एक शख्स ने परिवार के 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यहां एक व्यक्ति ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मारे गए बच्चों की उम्र 1 से 14 साल के बीच थी। 7 बच्चे उस के अपने थे और आठवें का वो अंकल था। वारदात को हाल की खतरनाक शूटिंग में से एक माना गया था। आठ बच्चों में पांच लड़कियां और तीन लड़के थे। उसने जब बच्चों पर फायरिंग की, तब वे सो रहे थे। यहां भी हत्या की वजह घरेलू विवाद बताया गया था।

नेपाल में वीरगंज मेयर दूसरे की बेटी को अपना बताकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल की आर्थिक राजधानी वीरगंज के मेयर राजेशमान सिंह को पुलिस ने मंगलवार सुबह पर्सा जिले के ठोरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एक रिसॉर्ट से दबोचा गया। उन्हें किसी अन्य व्यक्ति की बेटी को अपनी बताकर उसका जन्म प्रमाणपत्र बनवाने और इसी आधार पर उसके नागरिकता दिलाने और उसका पासपोर्ट बनवाकर उसे विदेश भेजने का आरोप है। जिला प्रहरी कार्यालय पर्सा प्रमुख सुदीपराज पाठक ने यह जानकारी दी।पुलिस अधिकारी पाठक ने बताया कि मेयर सिंह को जिला अदालत पर्सा द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के आठ दिन बाद गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस संबंध में मेयर सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मेयर सिंह गिरफ्तारी की अनुमति मिलने के बाद एक दिन अदालत में उपस्थित हुए, लेकिन बाद में फरार हो गए थे। नेपाल में इस अपराध में दोष सिद्ध होने पर 7 वर्ष तक की कैद और 70 हजार नेपाली रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। अभियोजन पक्ष ने मेयर राजेशमान सिंह के लिए भी इसी सजा की मांग की है।

जापान में तूफान जांगमी का कहर: 9 घायल, 47 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

एजेंसी
टोक्यो । जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान जांगमी (जापान में टाइफून नंबर-6) से सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इसकी वजह से मंगलवार दोपहर नौ लोग घायल हो गए, जबकि ओकिनावा और कागोशिमा में 47,000 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने इसकी जानकारी दी। द जापान टाइम्स के अनुसार, तूफान के क्यूशू क्षेत्र की ओर बढ़ने से व्यापक असर देखने को मिला। मंगलवार सुबह 11:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) तक यह तूफान कागोशिमा प्रांत के याकूशिमा द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ रहा था। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तूफान का केंद्रीय दबाव 975 हेक्टोपास्कल दर्ज किया गया, जबकि केंद्र के पास हवा की गति 25 मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच रही थी।

क्योडो न्यूज एजेंसी के अनुसार, जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि मंगलवार सुबह 6 बजे तक कागोशिमा और ओकिनावा प्रांतों में छह घरों को आंशिक नुकसान, सड़कों पर जलभराव, पेड़ों के गिरने और तेज हवाओं से वस्तुओं के उड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। घायल हुए सभी नौ लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

सुबह 5 बजे तक दोनों प्रांतों में लगभग 47,930 घरों की बिजली गुल थी। वहीं, परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। एहतियात के तौर पर 15 खंडों वाले दो एक्सप्रेसवे मार्ग बंद कर दिए गए और एक रेल लाइन पर सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इसके अलावा, छह अन्य रेल ऑपरेटरों ने दिन में बाद में 19 लाइनों पर सेवाएं रोकने की योजना बनाई।

मंगलवार को मुख्य रूप से क्यूशू क्षेत्र से आने-जाने वाली 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। समुद्री परिवहन भी प्रभावित हुआ है, जहां किंकी, शिकोकू, क्यूशू और ओकिनावा क्षेत्रों में 57 कंपनियों के 64 नौवहन मार्गों पर सेवाएं स्थगित कर दी गईं।

किहारा ने कहा कि सरकार स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जानकारी साझा करने, नुकसान का आकलन करने और आपातकालीन राहत कार्यों में जुटी हुई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि बुधवार सुबह से टोक्यो महानगरीय क्षेत्र में भी परिवहन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'तूफान प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील है कि वे स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निकासी संबंधी निर्देशों पर ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय रहते सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं और अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहें। '

मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं, ऊंची समुद्री लहरों, तूफानी ज्वार, भूस्खलन, निचले इलाकों में बाढ़ तथा नदियों के उफान की चेतावनी जारी की है।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तूफान मंगलवार को धीरे-धीरे पूर्व की ओर मुड़ते हुए दक्षिणी क्यूशू के करीब पहुंच सकता है। बुधवार को इसके होंशू के दक्षिणी तट के साथ उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ते हुए शिकोकू और कांतो क्षेत्रों के करीब पहुंचने की संभावना है।

तूफान के केंद्र के उत्तर और पूर्व में घने वर्षा बादल मौजूद होने के कारण उसके पहुंचने से पहले ही व्यापक क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में मूसलाधार वर्षा की भी आशंका है।

पिछले 24 घंटों में कागोशिमा प्रांत के अमागी कस्बे में 209.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो जून महीने के लिए अब तक का रिकॉर्ड है।

गीता अमृत

।। अथ त्रयोदशोऽध्यायः।।
क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोरेवमन्तरं ज्ञानचक्षुषा।
भूतप्रकृतिमोक्षं च ये विदुर्यान्ति ते परम्।। 34।।

बहुत से लोग सांख्य-माध्यम से ध्यान करते हैं, तो शेष निष्काम कर्मयोग, समर्पण के साथ उसकी प्राप्ति के लिए उसी निर्धारित कर्म आराधना का आचरण करते हैं। जो उसकी विधि नहीं जानते, वे तत्त्वस्थित महापुरुष के द्वारा सुनकर आचरण करते हैं। **क्रमशः**

युगन्धर (श्री कृष्ण)

यहाँ तक कि अमात्य विपृथु की इस बात का भी भान नहीं रहा कि वे प्रथा के अनुसार, द्वारिकावासियों को कुछ सन्देश के लिए स्वामी से प्रार्थना करें। वे स्वामी की ओर केवल देखते ही रह गए।

दूर मानसरोवर पर, ठीक सूर्योदय के क्षण जिस प्रकार ब्रह्मकमल की कली खिल उठती है, उसी प्रकार किसी के निवेदन किए बिना ही, हमारे स्वामी आसन से उठ खड़े हुए। इस समय वे बहुत ही कम बोले, परन्तु जो कुछ बोले, वह अविस्मरणीय था।

हाथ जोड़कर उन्होंने सबको प्रणाम किया। और मुक्त मन की प्रासादिक प्रसन्नता उनकी मन्द मुस्कान में खिल उठी, उनके निर्मल गुलाबी होठों के पीछे छिपे हुए कुन्दकलिका जैसे दाँत क्षण-भर चमक उठे। बड़े-बड़ों को जिसमें जीवन का आधार ढूंढने की इच्छा हो, ऐसा उनके कपोलों पर खिलने वाला भँवर क्षण-भर खिलकर फिर विलीन हो गया। उनके नील पद्म जैसे सुन्दरवाणी मुखमण्डल पर कभी-कभार ही दिखने वाली सुनहरी हास्य-छटा बिखर गयी। अपनी मधुर वेणुवाणी में उन्होंने कहा, द्वारिका के मेरे प्रिय बन्धु-भगिनी। केवल इस सम्बोधन से ही अभिभूत हुए सुधर्मा तालियाँ पीटते रहे। पश्चिम सागर के ज्वार की भाँति प्रत्येक के मन में दो बातों का असीम आनन्द लहरा रहा था-एक था द्वारिकाधीश के लौट आने का और दूसरा था, उनके सभी नर-नारियों को प्रिय बन्धु-भगिनी सम्बोधित करने का।

क्रमशः

श्री शिवाजी सावंत के विख्यात उपन्यास से साभार।

खबरें जरा हटके

कूड़े के ढेर में रहता है ये परिवार

फ्रांस के एक फोटोग्राफर ने जकार्ता में रहने वाले कुछ खास लोगों की जिंदगी को तस्वीरों के जरिए दशार्या है। ये अमूक तस्वीरें हैं जो खामोश रहते हुए भी बहुत कुछ कहती हैं। फोटोग्राफर एलेक्जेंडर ने कुछ तस्वीरों के जरिए इंडोनेशिया के एक कूड़े के ढेर में रहने वाले एक परिवार की दर्दभरी कहानी को सबके सामने रखा है। उन्होंने फोटोज के जरिए उन लोगों की परेशानियों को शेयर किया है। दरअसल ये तस्वीरें जकार्ता से करीब 12 मील दूर स्थित द्यआईलैंड ऑफ जावाह्न की हैं जहां एक बहुत बड़े कूड़े के ढेर में करीब 3000 से ज्यादा लोग बसे हुए हैं। इन तस्वीरों के देखने के बाद आप भी उनके दर्द का बड़ा हिस्सा बन जाएंगे। इस गंदी जगह पर ये लोग अपनी झुग्गी डाल कर कई सालों से रह रहे हैं। इनमें से तो कई लोग पैदा ही इस कूड़े के ढेर में हुए हैं। इनका कोई घर नहीं है, कूड़े और दलदल के बीच में रहना ही इनकी जिंदगी बन गई है।

दुनिया का अनोखा बॉर्डर, यहां वॉलीबाल खेलने आते है लोग

भारत की सीमा कई देशों से जुड़ी है। जहां पाकिस्तान और भारत के बॉर्डर पर हमेशा फौज दिखाई देती है, वहीं दुनियाभर में कुछ ऐसे देश भी है, जहां के बॉर्डर पर न कोई फौज दिखाई देती है और न ही कोई सुरक्षा का इंतजाम है। इसके बावजूद भी इन देशों में इतनी शांति और सुकून से लोग अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। ये बॉर्डर है अमेरिका और मेक्सिको के बीच जिसे दुनिया का सबसे सुरक्षित बॉर्डर माना जाता है। दरअसल, दोनों देशों के बीच आज तक सीमा को लेकर कोई विवाद सामने नहीं आया, जिसकी वजह से इस बॉर्डर पर सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं है।

न्यूज रील

बजरंगी के बाद इस फिल्म के लिए लक्ष्मण बने सलमान खान

बजरंगी के बाद इस फिल्म के लिए लक्ष्मण बने सलमान खान, सलमान खान को आपने देखा बजरंगी के रूप में अब देखिएगा लक्ष्मण के रूप में! सिल्वर स्क्रीन सलमान एक के बाद एक अपना जलवा दिखाते जा रहे हैं, पहले बजरंगी बन कर और अब लक्ष्मण बन कर। आपको बता दें कि अपनी आने वाली फिल्म में सलमान के किरदार का नाम होगा लक्ष्मण। हम बता कर रहे हैं इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म ट्यूबलाइट की। सलमान खान की ट्यूबलाइट धीरे-धीरे जल रही है और यह पूरी तरह जल जाएगी जब इसका टीजर रिलीज होगा, तीन दिन बाद। और सलमान इसकी तैयारी पूरी तरह कर रहे हैं, रोज इस फिल्म से जुड़ा एक पोस्टर रिलीज करते हुए सलमान फैन्स को इसके लिए और ज्यादा एक्साइट कर रहे हैं। क्यूंकि अब ट्यूबलाइट के टीजर को तीन ही दिन बाकी है, सलमान ने शेयर किया है इसका एक और पोस्टर जिसमें वो फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे मेटिन रे तांगु भी दिखाई दे रहे हैं। इस छोटे और क्यूट बच्चे के साथ पहले भी सलमान में अपनी तस्वीर शेयर की थी जो की वायरल हो गई थी। सलमान ने यह पोस्टर शेयर करते हुए ट्वीट किया और लिखा, ह्यवहीं फिल्म के डायरेक्टर कबीर खान ने यह पोस्टर शेयर किया और रिविल किया इस फिल्म सलमान का नाम - लक्ष्मण !ट्यूबलाइट इस साल ईद पर रिलीज होगी जिसमें सलमान के साथ चायनीज एक्ट्रेस जु जु भी दिखाई देंगी और शाह रुख खान भी इस फिल्म में केमियो कर रहे हैं।

अपना ब्लॉग

जलन बुरी नहीं, जलना बुरा है

कोमिका माथुर

मैं कॉलेज में थी, पीजी डिप्लोमा कर रही थी। क्लास में एक लड़की पढ़ाई के मामले हम सबसे कहीं तेज और मेधावी थी। लेकिन यही कोई दो-तीन महीने बाद धीरे-धीरे वह सबसे कटने लगी। इतना कि अपनी बहुत अच्छी दोस्त तक से उसने बात करनी बंद कर दी। उस दोस्त से जो भी बात करता, उससे भी वह बात करना बंद कर देती थी। इस दौरान उसकी ऐकडेमिक परफॉर्मेंस भी काफी गिर गई। कई-कई दिन तक क्लास में नहीं आती थी,आती तो चुपचाप एक कोने में बैठी रहती। बात करो तो चिड़चिड़ाने लगती। वो जितना पीछे जा रही थी, उसकी दोस्त उतनी ही आगे बढ़ रही थी। पढ़ाई में भी, टीचर्स और स्टूडेंट्स के बीच लोकप्रियता में भी।

कुछ था जो भीतर ही भीतर उसे खा रहा था। जानते हैं क्या? जलनज। हां, वो जलन ही थी। वहक्लास में सबसे अच्छी थी लेकिन स्मार्ट और बातचीत में तेज होने की वजह से अटेंशन उसकी दोस्त को मिलता था। यही बात अंदर ही अंदर उसे खाती रहती थी। बाद में उसे खुद भी अहसास हुआ, पर तब तक देर हो चुकी थी।

जलन असल में उस चोर की तरह है जो चुपके से, बिन बताए मन में घुस जाती है और भीतर कुंडी लगाकर बैठ जाती है। आप बेशक बाहर कितना ही पहरा लगा कर बैठे हों, एक बार इस चोर के मन में घुस जाने के बाद आप कुछ नहीं कर सकते। वह आपको अंदर से खोखला कर देता है। जलन वो जज़्बात है जो किसी पैकेज डील की तरह हमें मिलता है और इसके साथ आते हैं डर, दुख, गुस्सा जैसे तमाम दूसरे जज़्बात। व्यक्तित्व को बनाने-बिगाड़ने में इनका बड़ा हाथ होता है। कभी कोई जज़्बात हम पर हावी होता है तो कभी कोई। इनकी लगाम अपने हाथ में रखना जरूरी होता है। जलन भी ऐसा ही जज़्बात है जिसकी चौकीदारी करते रहना जरूरी है। चौकीदारी नहीं की तो यह सबसे ज्यादा नुकसान जलने वाले का ही करती है।

जलन बुरी नहीं, बशर्ते आप इसे दुश्मन के बजाय दोस्त बना लें। यह आपके लिए एक आईने की तरह होती है। देखना चाहें तो यह हमें हमारा वह भीतरी चेहरा दिखा सकती है जो अक्सर हम देख नहीं पाते। यह हमें बता सकती है कि कौन सी चीजें, रिश्ते या बातें कद्र करने लायक हैं लेकिन यह संकेत तभी मिल पाता है जब आप चौकन्ने हों, अपने जज़्बात पढ़ना जानते हों, अपने स्याह पक्ष को देख आंखें न मूंद लेते हों। तब आप डिप्रेस होकर उनसे दूर नहीं जाते, उनके करीब रहने की, उन्हें पाने की कोशिश में जुट जाते हैं। मसलन, वो लड़की शायद जलने के बजाय अपनी पर्सनैलिटी और कम्यूनिकेशन स्किल को निखारने की कोशिश कर सकती थी। जलन के साथ असली मुश्किल इसमें नहीं कि आप उसे कैसे महसूस करते हैं, मुश्किल इसमें है कि आप उसके बाद कैसे रीऐक्ट करते हैं।

जलन को कमजोरी बनाने के बजाय उसे ताकत बना लें तो कुछ रिश्तों की उम्र लंबी हो सकती है, कुछ उपलब्धियां समय पर मिल सकती हैं। जज़्बात कोई भी हो, वह तब तक अच्छा बुरा नहीं होता, जब तक अनियंत्रित न हो। तो जज़्बात को अच्छा बुरा समझना छोड़िए, उन्हें गले लगाइए, जलने का हौसला रखिए। सीखिए, बस जल मत जाइए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है!'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

काकुरो पहेली - 4073

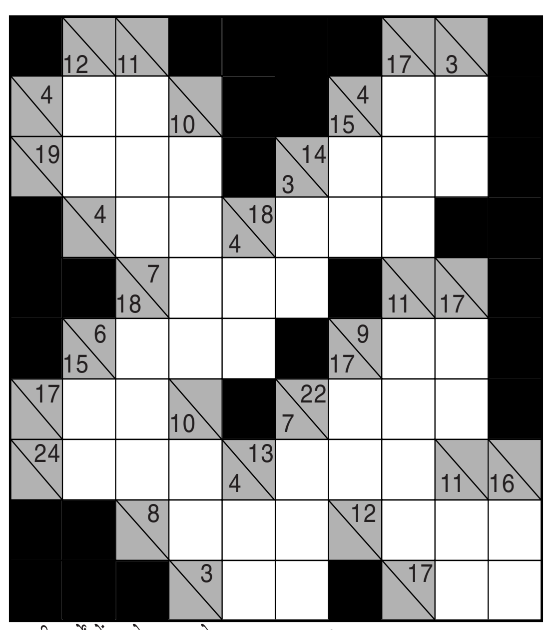

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

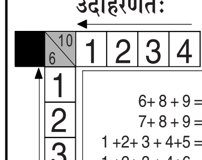

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4072 का हल

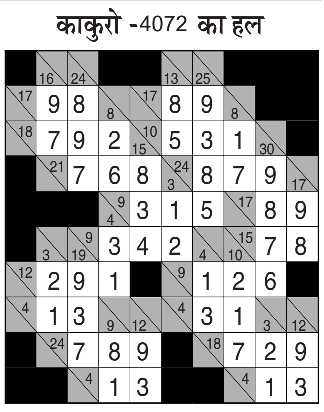

फिल्म वर्ग पहेली · 4073

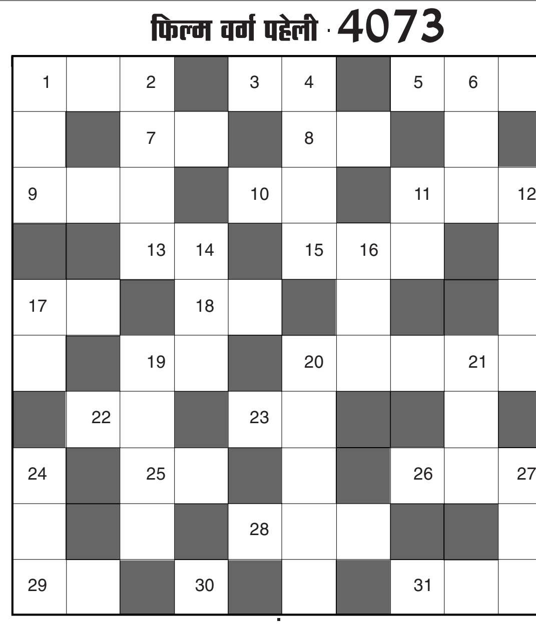

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली -4072

अ	मृ	त		गु	स		दी		घा
क्स		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		टा		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

सूडोकु -4073

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4072 हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली -4073

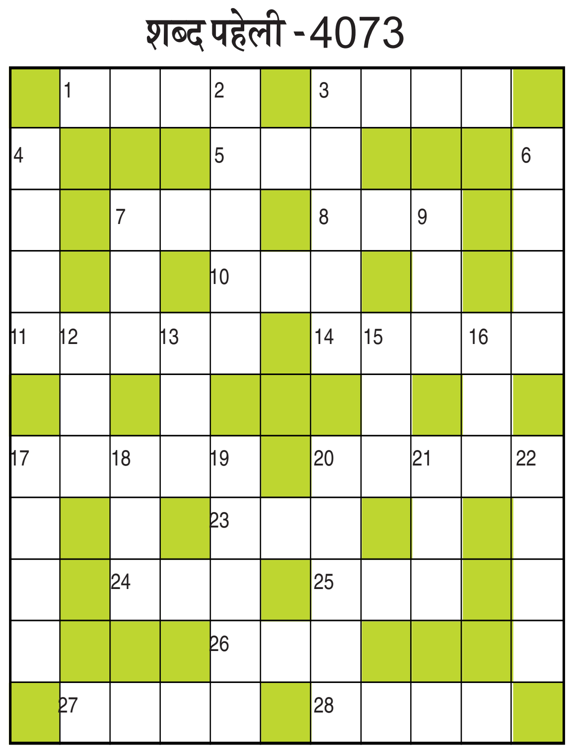

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली 4072 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

आत्म संयम से आसान हो जाती है कठिन से कठिन राहः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर कहा कि दृढ़ निश्चय और आत्म-संयम वह शक्ति है, जो कठिन से कठिन राह को भी आसान बना देती है। आज हमारे युवा साथी इसी संकल्प के साथ राष्ट्र निर्माण में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने इस संदेश के साथ सुभाषितम् भी साझा किया- निश्चित्य यः प्रक्रमते नान्तर्वसति कर्मणः। अबन्ध्यकालो वश्यात्मा स वै पण्डित उच्यते॥यह श्लोक महात्मा विदुर रचित 'विदुर नीति' (महाभारत के उद्योग पर्व) से लिया गया है। इस सुभाषितम् में जीवन की सफलता, बुद्धि और कार्यप्रणाली का सार निहित है। इससे सीख मिलती है कि सफलता के लिए दृढ़ संकल्प, निरंतरता, समय की पाबंदी और आत्म-नियंत्रण अत्यंत आवश्यक हैं।

गडकरी ने आंध्र प्रदेश की 8,512 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आंध्र प्रदेश की 8,512 किमी लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की समीक्षा की। यह समीक्षा मीडिया और सोशल मीडिया से प्राप्त सुझावों के आधार पर की गई। मंत्रालय ने बताया कि यहां हुई बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना ठेकेदार शामिल हुए। गडकरी ने बैठक में समयबद्ध कार्यान्वयन, सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन और आधुनिक निर्माण तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे राजमार्गों की आयु बढ़ेगी, संपर्क सुगम होगा, आर्थिक विकास को गति मिलेगी और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित होगी। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को व्यापक मानसून तैयारी के निर्देश भी दिए। इसमें निवारक उपाय, प्रभावी जल निकासी प्रबंधन और मजबूत प्रतिक्रिया प्रणाली शामिल हैं, ताकि बारिश के दौरान यातायात में व्यवधान कम हो और सड़क सुरक्षा व टिकाऊपन सुनिश्चित किया जा सके।

विश्व कल्याण के लिए बुलडोजर चलाने वाला भी साधुः पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

झांसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर दिए गए बयान का जवाब देते हुए कहा कि केवल साधना करने वाला ही नहीं, बल्कि विश्व कल्याण, शांति और लोगों की सुरक्षा के लिए बुलडोजर चलाने वाला भी साधु होता है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों की खैर नहीं, उनकी ठठरी बांधेंगे। उत्तराखंड स्थित बद्रीनाथ धाम में साधना के बाद रविवार को ट्रेन से झांसी रेलवे स्टेशन पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में शांति बनाए रखने, लोगों की रक्षा करने और धर्म की स्थापना के लिए कार्य करने वाला व्यक्ति भी साधु की श्रेणी में आता है। उनका यह बयान उस टिप्पणी के संदर्भ में आया जिसमें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि बुलडोजर चलाने वाला साधु नहीं हो सकता। पत्रकारों के गाजियाबाद के सूर्या हत्याकांड को लेकर पूछे गए सवाल पर शास्त्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हिंदू समाज का दुर्भाग्य है कि वह अभी भी पूरी तरह संगठित नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि यदि हिंदू समाज एकजुट नहीं रहेगा तो इस प्रकार की घटनाएं होती रहेंगी। उन्होंने आरोपियों की निंदा करते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया, उनमें न दया है, न प्रेम और न ही करुणा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य लगातार हिंदू समाज को जागृत और संगठित करना है। शास्त्री ने कहा कि जिस दिन हिंदू समाज पूरी तरह एक हो जाएगा, उस दिन कोई भी उसका बाल बांका नहीं कर सकेगा। समाज की मजबूती और एकता ही ऐसी घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है। बद्रीनाथ यात्रा के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वह आठ वर्ष बाद वहां पहुंचे थे और यह यात्रा उनके लिए अत्यंत आध्यात्मिक एवं अविस्मरणीय रही। उन्होंने कहा कि वहां उन्हें अद्भुत और अभूतपूर्व अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि झांसी पहुंचने के बाद वे सीधे बागेश्वर धाम जाकर बालाजी महाराज के चरणों में उपस्थित होंगे तथा जनसेवा और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के कार्यों में जुटेंगे।

पाकिस्तानी गैंगस्टर और आतंकी संगठन आईएसआई के लिए काम करने वाला युवक आजमगढ़ से गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तानी गैंगस्टर और आंतकी संगठन आईएसआई के लिए काम करने के आरोप में आजमगढ़ से एक युवक गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार इस युवक को एक राजनीतिक पार्टी की नेता की हत्या और किसी बड़े मिशन के लिए प्रेरित किया गया था। एटीएस उससे पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश ने सोमवार को बताया कि देशविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को चिन्हित का प्रयास किया जा रहा है।

इसी कड़ी में एटीएस को आजमगढ़ जिले के खुदादादपुर निवासी मोहम्मद शेख को गिरफ्तार किया है। उसके पास बरामद मोबाइल की छानबीन की तो पता चला कि वह शहजाद भट्टी के आतंकी गैंग से उनके पाकिस्तानी व दुबई के नंबरों से उसकी बात होती है। वह उनके सोशल मीडिया के अकाउंट से जुड़कर उनके विचाराधारा से प्रभावित होकर जेहाद की बातें कर रहा था। वह अपने साथियों को भी आतंकी गैंग में शामिल कर विधि विरूद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा था। मोहम्मद शेख को शहजाद भाटी के अलावा उसके गैंग के अजमल गुर्जर और रजा पाकिस्तानी हैंडल कर रहा था।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रियों समेत विभिन्न नेताओं ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने राज्य की जनता को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर विकास और समृद्धि की कामना की।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने एक्स पोस्ट में तेलंगाना के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कर्मठ नागरिकों से संपन्न है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने नवाचार और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है तथा राज्य के लोगों के निरंतर कल्याण और उन्नति की कामना की। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि तेलंगाना अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत परंपराओं के लिए जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों की रचनात्मकता, नवाचार, परिश्रम और दृढ़ता ने देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने इस अवसर को विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की प्रेरणा बताया।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तेलंगाना को विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, जीवंत परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य वाला राज्य बताते हुए कहा कि स्थापना दिवस राज्य की विकास यात्रा और उपलब्धियों का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों के जीवन में उन्नति, सौहार्द और समृद्धि की कामना की। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि तेलंगाना अपनी जीवंत संस्कृति और उद्यमशीलता की भावना के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने राज्य की निरंतर प्रगति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि इसकी उपलब्धियां भारत के गौरव को और बढ़ाएंगी। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि समृद्ध विरासतों और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण यह राज्य विकास और प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे। उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली बढ़ने की कामना की। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तेलंगाना की अनुपम कला-संस्कृति, समृद्ध विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य का उल्लेख करते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य निरंतर विकास और प्रगति के मार्ग पर गतिमान रहे तथा सभी लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली का विस्तार हो।

अंक सत्यापन, उत्तर पुस्तिका पुनर्मूल्यांकन के लिए सीबीएसई का ऑनलाइन पोर्टल लाइव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का अंकों के सत्यापन तथा उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए मंगलवार को ऑनलाइन पोर्टल सक्रिय हो गया। सीबीएसई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल अब सक्रिय हो गया है। इसकी आधिकारिक अधिसूचना सीबीएसई की मुख्य वेबसाइट पर जारी की गई है। इससे पहले, 26 मई को लाइव होने वाले इस ऑनलाइन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण अवधि बढ़ाकर 1 जून कर दी गई थी लेकिन अन्य कारणों की वजह से इस दिन भी शुरू नहीं हो सका सका। आज वह लाइव हो गया है। सीबीएसई ने विद्यार्थीयों के लिए आधिकारिक पोर्टल लिंकः postresult.cbseit.in/pvr/ साझा किया है। इस पर विद्यार्थी अपने अंकों के सत्यापन और उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए निर्देशों के वीडियो को देखकर आवेदन

करने की प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई अपनी बोर्ड परीक्षा के अंकों से असंतुष्ट छात्रों को अपनी कॉपियों की दोबारा जांच कराने का अवसर दे रही है। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में होगी। पहले चरण में अंकों का सत्यापन, दूसरे चरण में मूल्यांकन शीट की फोटोकॉपी और तीसरे चरण में पुनर्मूल्यांकन होगा।

मप्र पुलिस ने उज्जैन सिंहस्थ-2028 की शुरू की तैयारियां, प्रदेशभर में व्यापक प्रशिक्षण अभियान प्रारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ-2028 (महाकुंभ) के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश पुलिस ने व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के सभी जिलों एवं इकाइयों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। उप पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) तरुण नायक ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन तथा आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से पुलिस लाइन उज्जैन में 22 अप्रैल से 15 मई 2026 तक ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं इकाइयों से चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। अब यही प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स अपने-अपने जिलों में पुलिस बल को निर्धारित प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी प्रशिक्षण कैलेंडर के अनुसार, 01 जून 2026 से प्रारंभ होकर दिसंबर 2026 तक कुल 20 बैचों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बैच में जिला पुलिस बल, विशेष सशस्त्र बल, रेडियो शाखा, विशेष शाखा, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों तथा नगर सेना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मिलित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है कि सिंहस्थ-2028 में ड्यूटी के लिए संभावित शत-प्रतिशत पुलिस बल को समयबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाए, जिससे प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी मेला ड्यूटी की चुनौतियों और जिम्मेदारियों से भली-भांति परिचित हो सके। उप पुलिस महानिरीक्षक नायक ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रत्येक रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक अपने-अपने जोन एवं रेंज के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण करेंगे तथा विभिन्न जिलों में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का शुभारंभ करेंगे। अन्य जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संबंधित पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक जिले में एक सूबेदार को प्रशिक्षण प्रभारी नियुक्त किया जाएगा, जो पूर्णकालिक रूप से प्रशिक्षण की निगरानी करेंगे। वहीं रक्षित निरीक्षक प्रतिदिन प्रशिक्षण में उपस्थित रहकर प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक प्राप्त करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था भी की गई है, जिससे पुलिस मुख्यालय, वरिष्ठ अधिकारी अथवा विषय विशेषज्ञ आवश्यकता पड़ने पर ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण सत्रों से जुड़ सकेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी और दामाद बने जामनगर के मेहमान

एजेंसी

जामनगर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप और उनके पति माइकल बोलोस विशेष विमान से गुजरात के जामनगर एयरपोर्ट पहुंच गए हैं। उनके आगमन को लेकर एयरपोर्ट से लेकर मोटीखावड़ी स्थित रिलायंस परिसर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

बताया जा रहा है कि वे विश्व प्रसिद्ध वन्यजीव एवं पशु संरक्षण केंद्र वनतारा का दौरा करने पहुंचे हैं। टिफनी ट्रंप और माइकल बोलोस की यात्रा को देखते हुए जामनगर पुलिस सहित विभिन्न केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर रहीं। उनके काफिले में अत्याधुनिक बुलेटप्रूफ वाहन, पायलट जीप और विशेष पुलिस एस्कॉर्ट वाहन शामिल थे। वीवीआईपी मूवमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए एयरपोर्ट से मोटीखावड़ी तक पूरे मार्ग पर व्यापक बैरिकेडिंग की गई थी। काफिले के गुजरने के दौरान कुछ समय के लिए सामान्य यातायात भी रोका गया, जिसके चलते खंभालिया रोड पर ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिली। टिफनी ट्रंप और माइकल बोलोस यहां रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा स्थापित वन्यजीव संरक्षण एवं पुनर्वास विशेषज्ञों से प्राप्त करेंगे।

इस बीच टिफनी ट्रंप ने अपने आधिकारिक एक्स और इंस्टाग्राम

केंद्र वनतारा का दौरा करेंगे। वे देश-विदेश की विभिन्न दुर्लभ प्रजातियों के पशु-पक्षियों को देखेंगे तथा वन्यजीव संरक्षण, पुनर्वास और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से जुड़ी वैश्विक स्तर की व्यवस्थाओं की जानकारी अकाउंट पर भारत यात्रा के कई फोटो और वीडियो भी साझा किए हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और अतिथि सत्कार की खुलकर सराहना की है।

सीएम योगी का अधिकारियों को निर्देश, 'हर जरूरतमंद को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ'

एजेंसी

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। आवास से लेकर इलाज तक, बिटिया की पढ़ाई व विवाह से लेकर निराश्रितों व बुजुर्गों की पेंशन तक, समाज के हर जरूरतमंद के लिए सरकार की अनेक योजनाएं हैं। सभी पात्र लोगों से आवेदन कराकर इन योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जाए। सोमवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए

संकल्पित है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जरूर करें। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का संबंधित योजना में आवेदन कराकर लाभ दिलाया जाए। सीएम योगी ने जनता दर्शन में आए लोगों के प्रार्थना पत्रों को निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अधिकारी जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।जनता दर्शन में जौनपुर जिले से आई एक महिला ने एक एनजीओ पर फर्जी प्रमाण पत्र देने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ जांच की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मामले में जांच कर जरूरी कार्रवाई की जाए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दीं। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की।

भारत ने अफ्रीकी रोग नियंत्रण केंद्र को भेजी 43 टन चिकित्सा सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को चिकित्सा सहायता के दूसरे चरण के तहत सुरक्षात्मक उपकरण, डायग्नोस्टिक एवं मॉनिटरिंग उपकरण, दवाइयां तथा सप्लीमेंट्स भेजें हैं। कुल 43 टन वजन की यह सहायता अफ्रीकी देशों की सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को और मजबूत करेगी तथा इबोला महामारी से निपटने की क्षमता बढ़ाएगी।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि भारत ने अफ्रीका सीडीसी को चिकित्सा सहायता का दूसरा चरण भेज दिया है। इस 43 टन की खेप में सुरक्षात्मक गियर, डायग्नोस्टिक एवं मॉनिटरिंग उपकरण, दवाइयां और सप्लीमेंट्स शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि हमें विश्वास है कि यह खेप अफ्रीकी संघ के देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत करेगी और

इबोला प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाएगी। उल्लेखनीय है कि अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) अफ्रीकी संघ का स्वास्थ्य संस्थान है। इसका मुख्यालय इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में है। यह अफ्रीकी महाद्वीप में संक्रामक रोगों की निगरानी, महामारी नियंत्रण, प्रयोगशाला क्षमता विस्तार और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन का कार्य करता है।

मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश बनेगा समृद्ध : शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के ग्राम रमासिया से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को संदेश दिया कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने देशभर में 01 जून से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर कहा कि धरती हमारी माता है और इसकी सेहत बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंधाधुंध रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग न करें, बल्कि मिट्टी की जांच के आधार पर जरूरत के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि ज्यादा रासायनिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है और उसमें मौजूद

लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिसका सीधा असर उत्पादन और खेती की लागत पर पड़ता है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती माता को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प है। इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग की टीमें और जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। किसानों को मिट्टी परीक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, आधुनिक बुवाई तकनीक, जल संरक्षण और उन्नत खेती के तरीके सिखाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर किसान का सॉयल हेल्थ कार्ड बनना जरूरी है, ताकि किसान अपनी जमीन की जरूरत समझकर खाद का उपयोग करे। इससे खेती की लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मिट्टी लंबे समय तक उपजाऊ बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसका मतलब जरूरत से ज्यादा उपयोग नहीं है। सही मात्रा में खाद का उपयोग ही टिकाऊ खेती की कुंजी है। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोयाबीन, धान और दलहन फसलों के लिए क्षेत्र में विशेष प्रदर्शन किए जाएंगे। किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक बुवाई, लेजर लेवलर जैसी आधुनिक तकनीक और पानी बचाने वाली खेती के तरीके सिखाए जाएंगे। कृषि विज्ञान केंद्रों और विशेषज्ञ संस्थानों की मदद से नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

ब्रिक्स शहरीकरण फोरम की बैठक 11-12 जून को नई दिल्ली में

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के 13वें शहरीकरण फोरम की बैठक 11-12 जून को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने इसका ऐलान किया। यह कार्यक्रम देश में होने वाली इस साल बिक्स की बैठक के तहत एक प्रमुख मंत्रिस्तरीय कार्यक्रम है, जिसे प्रधानमंत्री के 'मानवता सर्वोपरि' दृष्टिकोण के तहत आयोजित किया जाएगा। ब्रिक्स के मुख्य कार्यक्रम की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण' होगी। मनोहर लाल ने यहां संकल्प भवन में पत्रकार वार्ता में कहा कि इस बार मंच का विषय 'लोगों के लिए शहर : समावेशी और लचीले शहरी भविष्य के लिए ब्रिक्स सहयोग' है। यह विषय भारत की उस सोच को दर्शाता है जिसमें शहरों की योजना, शासन और विकास में नागरिकों को केंद्र में रखा जाता है। ब्रिक्स देशों में तेज शहरीकरण हो रहा है और सभी को आवास, गतिशीलता, जलवायु जोखिम, नगर निकाय क्षमता, शहरी वित्त और सेवा वितरण जैसी समान चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बार फोरम में समावेशी शहरी विकास, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा, मजबूत नगर संस्थाएं और डिजिटल नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

मंत्री ने कहा कि इस मंच से साझा नीतिगत समाधान निकलेंगे और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग मजबूत होगा, ताकि शहर वास्तव में लोगों के लिए हों। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत इस अवसर पर ब्रिक्स परिवार के सभी सदस्य देशों का स्वागत करेगा और मिलकर ऐसे शहरों के निर्माण पर काम करेगा जो नागरिकों के लिए सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ हों।

दो दिवसीय कार्यक्रम में ब्रिक्स सदस्य देशों के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ शामिल होंगे। पहले दिन उद्घाटन सत्र और साझा प्राथमिकताओं पर उच्चस्तरीय बैठक होगी। इसके साथ ही प्रतिनिधियों को दिल्ली में शहरी परिवर्तन के स्थलों का दौरा कराया जाएगा। दूसरे दिन विषयगत पैनल चर्चाएं और द्विपक्षीय बैठकें होंगी, जिनमें सदस्य देशों के अनुभव साझा किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली बार 2013 में नई दिल्ली में ब्रिक्स शहरीकरण मंच की मेजबानी की थी। इसके बाद 2016 में विशाखापत्तनम और 2021 में वर्चुअल रूप से भारत ने इसकी मेजबानी की। इस बार चौथी बार भारत यह मंच आयोजित कर रहा है। मंच की शुरुआत से ही यह ब्रिक्स देशों के बीच शहरी नीतिगत अनुभव साझा करने, प्राथमिकताओं की पहचान करने और व्यापक ब्रिक्स प्रक्रिया में शहरी इनपुट देने का प्रमुख प्लेटफॉर्म रहा है।

जबरन या छलपूर्वक मतांतरण को गंभीर अपराध घोषित करने का कानून बनेः अभाविप

एजेंसी

भुवनेश्वर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जबरन, छलपूर्वक या प्रलोभन देकर किए जाने वाले मतांतरण को गंभीर अपराध घोषित करने और इस पर सशक्त राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की है। भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन में परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डा वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठित आपराधिक एवं जिहादी मानसिकता से महिलाओं के शोषण तथा मतांतरण पर लगाम लगाया जाए और ऐसे सभी अपराधों के केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए कठोर दंड दिया जाए। महिलाओं एवं युवतियों को लक्ष्य बनाकर संचालित संगठित अपराधों, साइबर ब्लैकमेलिंग तथा अवैध मतांतरण तंत्रों की जाँच हेतु केंद्रीय स्तर पर एक विशेष अनिवार्य जाँच संस्था का गठन किया जाए। भुवनेश्वर में संपन्न अभाविप की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में पारित प्रस्ताव में यह मांग की गई है इसके साथ साथ शैक्षिक सुधार,

महिला सुरक्षा, शहरी माओवाद और वैश्विक परिदृश्य पर कुल चार प्रस्ताव पारित किये गये हैं। महिला सुरक्षा और अवैध मतांतरण पर पारित प्रस्ताव में परिषद ने महिलाओं एवं युवतियों को लक्ष्य बनाकर किए जा रहे कथित संगठित शोषण, साइबर ब्लैकमेलिंग और छलपूर्वक मतांतरण की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अभाविप ने केंद्र सरकार से जबरन, प्रलोभन अथवा धोखे से कराए जाने वाले मतांतरण को गंभीर अपराध घोषित करते हुए इस विषय पर सशक्त राष्ट्रीय कानून बनाने, फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की सुनवाई तथा विशेष केंद्रीय जांच तंत्र के गठन की मांग की। साथ ही छात्राओं की सुरक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों को व्यापक स्तर पर लागू करने पर बल दिया गया। शिक्षा सुधारों पर परिषद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, नीट, सीयूईटी और अन्य सुधारों का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। अभाविप ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, परीक्षा अनियमितताओं पर नियंत्रण, विश्वविद्यालयों में बेहतर प्रशासनिक समन्वय तथा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

–अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट

और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित

एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है- शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में

सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है–फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे

की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस । इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म 'सिस्टम' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है।'' सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।''

फिल्म 'सिस्टम' में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई-प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं। फिल्म 'सिस्टम' को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार और तस्नीम लोखंडवाला के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

रणदीप ने 'छावा' में ठुकराया औरंगजेब का रोल

एक्टर रणदीप हुड्डा लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि उन्हें 2025 की हिट फिल्म 'छावा' में मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल ऑफर हुआ था। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। यह फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। हुड्डा ने बताया कि उन्होंने औरंगजेब के रोल को ठुकरा दिया था। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना ने निभाया। औरंगजेब का रोल ठुकराने की वजह बताते हुए रणदीप ने 'जूम' को बताया कि जब डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया था, तब वे मानसिक रूप से सही स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था। उन्होंने उस वक्त 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उन्होंने कहा 'मैं एक केस से गुजर रहा था और उस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई पेचीदा मसले थे। मैं उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं जाना चाहता था। ऐसे में जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट (ईथा) मेरे सामने आया, तो मुझे यह काफी लुभावना लगा।'

'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'छावा' का बजट 130 करोड़ रुपये था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 804 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था।

फिर हिंदी सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

मजबूरी में रखा था फिल्मों में कदम

अल्फेनियन स्टूडियोज को दिए इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' इसी बातचीत में स्नेहा ने ऐश्वर्या राय बच्चन से होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बनी थीं, तभी से लोग कहते थे कि दोनों की शक्ल काफी मिलती है। बाद में सलमान खान के साथ डेब्यू करने की वजह से लोगों ने अलग-अलग बातें बनानी शुरू कर दीं, लेकिन मैं उस समय बहुत छोटी थी, इसलिए इन चीजों का मुझ पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं एक्ट्रेस

वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉलीवुड के बाद स्नेहा ने साउथ फिल्मों में भी काम किया। अब वो धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। स्नेहा का कहना है कि वो इंडस्ट्री में अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और अब उन्हें साफ पता है कि वो किस तरह की एक्ट्रेस बनना चाहती हैं।

'ब्राउन' में सस्पेंस और अंधेरे से भरी दुनिया में दिखेंगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज 'ब्राउन' का टीजर जारी कर दिया गया है। जी5 पर रिलीज होने वाली इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर में करिश्मा अब तक के अपने सबसे अलग और इंटेंस अवतार में नजर आएंगी। टीजर में करिश्मा कोलकाता पुलिस की अफसर रीटा ब्राउन की भूमिका निभाती दिख रही हैं, जो अपने निजी संघर्षों और शहर में हो रहे खौफनाक अपराधों से जूझती नजर आती हैं। कोलकाता की रहस्यमयी और अंधेरी पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज सिर्फ एक मर्डर मिस्ट्री नहीं, बल्कि मानसिक संघर्ष और अपराध की गहरी परतों को दिखाने वाली कहानी है। टीजर में करिश्मा का रफ और बिना ग्लैमर वाला लुक है। इस वेब सीरीज का निर्देशन अभिनय देव ने किया है।

कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज़्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थाानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिग आट्र्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।